साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 149 | जौनपुर, शुक्रवार, 17 जनवरी 2025 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त समाचार

मिजोरम में म्यांमा के एक उग्रवादी समेत पांच लोग गिरफ्तार

नई दिल्ली, (एजेंसी)। पश्चिमी मिजोरम के ममित जिले में बुधवार को म्यांमा स्थित उग्रवादी समूह चिन नेशनल फ्रंट (सीएनएफ) के एक सदस्य सहित कम से कम पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस द्वारा जारी एक बयान में कहा गया कि उनके पास से हथियार और गोला–बारूद बरामद किया गया। बयान में कहा गया कि ये गिरफ्तारियां भारत–बांग्लादेश सीमा के निकट हुई हैं। इसमें कहा गया है कि अभियान के दौरान पांचों के पास से छह एके–47 राइफल, 10,050 कारतूस और 13 मैगजीन बरामद की गईं।

नवी मुंबई में ऑटोमोबाइल कंपनी के गोदाम में आगय कोई हताहत नही

नई दिल्ली, (एजेंसी)। महाराष्ट्र के नवी मुंबई शहर में बुधवार देर रात एक गोदाम में भीषण आग लग गई, जहां एक ऑटोमोबाइल कंपनी के वाहन और कलपुर्जे रखे हुए थे। ठाणे नगर निगम के अधिकारी ने यह जानकारी देते हुए बताया कि आग में कोई व्यक्ति घायल नहीं हुआ, लेकिन छह चार–पहिया वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। नगर निगम के आपदा प्रबंधन प्रकोष्ठ के प्रमुख यासीन तड़वी ने कहा कि एक व्यक्ति ने नवी मुंबई के दहिसर मोरी की नागांव ग्राम पंचायत में स्थित गोदाम में आग लगने की सूचना रात 12 बजकर 26 मिनट पर सूचना दी। उन्होंने बताया कि सूचना मिलने के बाद, विभिन्न स्थानों से पुलिस और दमकल की टीमें मौके पर पहुंचीं। अधिकारी ने बताया कि दो घंटे के अभियान के बाद आग पर काबू पा लिया गया। आग लगने का कारण अभी पता नहीं चल पाया है।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत

रायबरेली, (संवाददाता)। जिले के मिल एरिया थाना क्षेत्र के अंतर्गत रायबरेली प्रयागराज राजमार्ग पर प्रगतिपुरम मोहल्ले के पास कार की टक्कर लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और भाजपा के प्रदेश मंत्री समेत तीन लोग घायल हो गए। पुलिस ने बृहस्पतिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के मुताबिक, प्रगति पुरम मोहल्ले के पास तेज गति से जा रही एक कार ने दो लोगों को टक्कर मार दी। इसकी सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने दोनों घायलों को जिला अस्पताल पहुंचाया जहां चिकित्सकों ने तकिया कलां हरचंदपुर निवासी मौलाना जफर हसनी (67) को मृत घोषित कर दिया। बड़ा कुआं निवासी अब्दुल कादिर का इलाज चल रहा है। इस हादसे में भाजपा संगठन के प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा और उनके साथी भानु तिवारी को भी चोटें आई हैं। अभिजात मिश्रा ने बताया कि वह अपने साथियों के साथ प्रयागराज जा रहे थे।

आने वाले समय में युद्ध अधिक हिंसक, अप्रत्याशित हो जाएंगे : राजनाथ सिंह

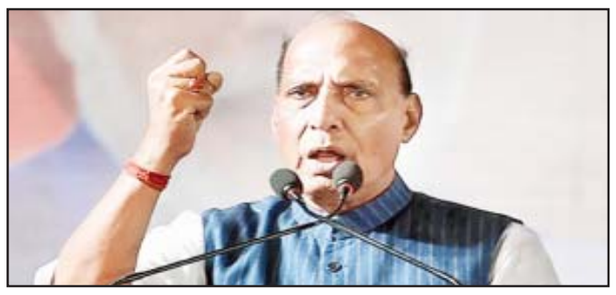

लखनऊ, (संवाददाता)। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने बुधवार को कहा कि कई देशों में ''गैर–सरकारी तत्वों'' का उभरना और उनका आतंकवाद का सहारा लेना ''चिंता का विषय'' है। यहां 77वें सेना दिवस के अवसर पर आयोजित एक कार्यक्रम में अपने संबोधन में रक्षा मंत्री ने यह भी कहा कि आने वाले दिनों में संघर्ष और युद्ध अधिक हिंसक तथा अप्रत्याशित हो जाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि सरकार सशस्त्र बलों को आधुनिक बनाने के लिए कोई कसर नहीं छोड़ रही, साथ ही उन्होंने कहा कि बदलती भू–राजनीतिक विश्व व्यवस्था और युद्ध के लगातार बदलते चरित्र को ध्यान में रखना होगा। सिंह ने कहा, मुझे लगता है कि आने वाले समय में संघर्ष व युद्ध और अधिक हिंसक तथा अप्रत्याशित हो जाएंगे। (युद्ध में) गैर परंपरागत और विषम तरीके धीरे–धीरे बढ़ रहे हैं। किसी देश का नाम लिए बिना उन्होंने कहा कि कई देशों में गैर–सरकारी तत्वों का उभरना और आतंकवाद का सहारा लेना चिंता का विषय है। उन्होंने कहा कि साथ ही, तेजी से हो रही तकनीकी प्रगति के कारण भविष्य के युद्ध में काफी हद तक बदलाव देखने को मिलेगा। सिंह ने कहा कि साइबर और अंतरिक्ष क्षेत्र तेजी से नए युद्ध क्षेत्र के रूप में उभर रहे हैं। रक्षा मंत्री ने कहा, इसके साथ–साथ, विमर्श का युद्ध भी पूरी दुनिया में लड़ा जा रहा है। सेना को इन बहुस्तरीय चुनौतियों का सामना करने के लिए हमेशा तैयार रहना चाहिए। सिंह ने अपने भाषण की शुरुआत में कहा कि वह पुणे की वीर भूमि, छत्रपति शिवाजी की भूमि और बाल गंगाधर तिलक जैसे स्वतंत्रता सेनानियों को नमन करते हैं। उन्होंने कहा कि शांति कायम करने के लिए ताकत जरूरी है। सिंह ने यह भी कहा कि रणनीतिक स्वायत्तता हासिल करने के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी है।

सर्दी में रैन–बसेरों में रहने वालों का हाल जानने पहुंचे मुख्यमंत्री आदित्यनाथ

लखनऊ, (संवाददाता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ बुधवार की रात कड़ाके की सर्दी के बीच राजधानी लखनऊ के रैन बसेरों में ठहरे लोगों का हाल जानने पहुंचे। मुख्यमंत्री का काफिला पहले मिल कॉलोनी पहुंचा, जहां उन्होंने रैन बसेरे में ठहरे लोगों से कुशलक्षेम जानने के साथ–साथ संवाद भी किया और फिर लक्ष्मण मेला रोड की ओर भी गए जहां अलग–अलग रैन बसेरों में प्रदेश के विभिन्न जिलों से आये लोग ठहरे हुए थे। आधिकारिक बयान के मुताबिक, इन रैन बसेरों में कोई अपने परिजन को चिकित्सक को दिखाने के लिए तो कोई किसी अन्य कार्य से आया था। मुख्यमंत्री ने उनसे पूछा कि यहां रैन बसेरों में कोई परेशानी तो नहीं तो सबने व्यवस्था को लेकर संतोषजनक जवाब दिया। मुख्यमंत्री ने कड़ाके की ठंड में हर जरूरतमंद को आश्रय उपलब्ध कराने के निर्देश अधिकारियों को दिए।

2 से ज्यादा बच्चे होने पर ही लड़ पाएंगे चुनाव, चंद्रबाबू नायडू लेने जा रहे एकदम अलग फैसला

आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन चंद्रबाबू नायडू ने कहा कि कोई व्यक्ति तभी सरपंच, नगर निगम पार्षद या मेयर बन सकता है, जब उसके दो से अधिक बच्चे हों, यह संकेत देते हुए कि यह गिरती जनसंख्या को रोक देगा। नायडू ने कहा कि वह लोगों को अधिक बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करने के लिए नीतियां लाएंगे।

उन्होंने कहा कि एक समय में, कई बच्चों वाले व्यक्तियों को पंचायत (चुनाव) या स्थानीय निकायों में लड़ने की अनुमति नहीं थी। अब मैं जो कह रहा हूं वह यह है कि कम बच्चों वाले व्यक्ति चुनाव नहीं लड़ सकते। आप सरपंच, नगर निगम पार्षद, निगम अध्यक्ष या महापौर तभी बन पाएंगे जब आपके दो से अधिक बच्चे होंगे। सीएम के अनुसार, उत्तर भारत लगभग 15 वर्षों में स्थिर प्रजनन दर का लाभ खो सकता है।

उन्होंने कहा, ष्आपके माता–पिता चार से पांच बच्चे पैदा करते थे और आपने इसे घटाकर एक कर दिया। यहां तक घ्कि होशियार लोग भी अब कह रहे हैं कि दोगुनी आय वाले बच्चे हमें आनंद नहीं लेने देते।

अगर उनके माता–पिता ने उनके जैसा सोचा होता, तो वे इस दुनिया में नहीं आते।ष नायडू ने कहा, सभी देशों ने यह गलती की है और हमें सही समय पर निर्णय लेना होगा। उन्होंने कहा कि अधिक बच्चे पैदा करने के महत्व पर जोर नहीं दिया गया और स्थिति हाथ से बाहर हो गई। दक्षिण कोरिया, जापान और महाद्वीपीय यूरोप जैसे देशों का हवाला देते हुए उन्होंने कहा कि उन जगहों पर लोगों को आबादी कम होने के खतरे का एहसास नहीं था, बल्कि उन्होंने केवल धन पैदा करने, आय बढ़ाने और उन देशों को आगे ले जाने पर ध्यान केंद्रित किया। इस महीने की शुरुआत में, नायडू ने गिरती जन्मदर पर प्रकाश डाला और कहा कि भारत को दक्षिण कोरिया और जापान जैसे अन्य देशों द्वारा की गई गलतियों को नहीं दोहराना चाहिए, जहां जन्मदर में गिरावट आई है।

इसरो को मिली खुशखबरी, सैटेलाइट डॉकिंग सफल, पीएम मोदी ने ऐतिहासिक उपलब्धि पर दी बधाई

नई दिल्ली, (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार सुबह भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) द्वारा दो उपग्रहों की डॉकिंग प्रक्रिया को सफलतापूर्वक पूरा करके ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने पर अपनी शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि स्पेस डॉकिंग एक्सपेरीमेंट (स्पेडेक्स) परियोजना की सफलता भविष्य के अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक कदम है। प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स पर लिखा, ष्उपग्रहों की अंतरिक्ष डॉकिंग के सफल प्रदर्शन के लिए इसरो के हमारे वैज्ञानिकों और पूरे अंतरिक्ष समुदाय को बधाई। यह आने वाले वर्षों में भारत के महत्वाकांक्षी अंतरिक्ष मिशनों के लिए एक महत्वपूर्ण कदम है।ष इसरो ने गुरुवार सुबह घोषणा की कि बहुप्रतीक्षित सैटेलाइट डॉकिंग पूरी हो गई है, जिसके साथ ही भारत ऐसा करने वाला चौथा देश बन गया है। इसरो ने एक्स पर पोस्ट किया, ष्भारत अंतरिक्ष डॉकिंग में सफल होने वाला चौथा देश बन गया है। पूरी टीम को बधाई! भारत को बधाई।ष स्पैडेक्स डॉकिंग प्रक्रिया ने 15 मीटर से 3 मीटर की दूरी तक सटीकता के साथ कार्य पूरा किया, जिससे अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक कैप्चर किया जा सका। डॉकिंग सफल अंतरिक्ष यान डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई! एक ऐतिहासिक क्षण। आइए स्पैडेक्स डॉकिंग प्रक्रिया के माध्यम से चलेंरू 15 मीटर से 3 मीटर होल्ड पॉइंट तक पैंतरेबाजी पूरी हुई। डॉकिंग की शुरुआत सटीकता के साथ की गई, जिससे अंतरिक्ष यान को सफलतापूर्वक कैप्चर किया गया। वापसी आसानी से पूरी हुई, इसके

बाद स्थिरता के लिए कठोरीकरण किया गया। डॉकिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई,ष इसरो ने घोषणा की, ष्डॉकिंग के बाद, एक ही वस्तु के रूप में दो उपग्रहों का नियंत्रण सफल रहा। आने वाले दिनों में अनडॉकिंग और पावर ट्रांसफर चेक किए जाएंगे। केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने कहा कि इससे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और चंद्रयान 4 सहित भविष्य के महत्वाकांक्षी मिशनों के सुचारू संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। केंद्रीय पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री ने एक्स पर लिखा, ष्बधाई हो इसरो। आखिरकार सफलता मिल ही गई। स्पैडएक्स ने अविश्वसनीय उपलब्धि हासिल कर ली है... डॉकिंग पूरी हो गई है... और यह पूरी तरह स्वदेशी श्भारतीय डॉकिंग सिस्टमश है। इससे भारतीय अंतरिक्ष स्टेशन और चंद्रयान 4 और गगनयान सहित भविष्य के महत्वाकांक्षी मिशनों के सुचारू संचालन का मार्ग प्रशस्त होगा। प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का निरंतर समर्थन यहां बेंगलुरु में उत्साह को बढ़ाता है।

अयोध्या में गरीबों की जमीन छीनने वालों को भगवान श्रीराम नहीं बख्शेंगे : अखिलेश यादव

लखनऊ, (संवाददाता)। सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि अयोध्या में गरीबों और किसानों की जमीन सस्ते दामों पर ली गईं और महंगे दामों पर बेचा गया। उन्होंने कहा कि जिन लोगों ने गरीबों और किसानों की जमीन ली उन्हें प्रभु श्रीराम नहीं बख्शेंगे जबकि होना तो ये चाहिए था कि गरीबों से जमीनों को मार्केट रेट पर लिया जाता लेकिन वहां जमीनों की बंदरबांट हुई और भ्रष्टाचार हुआ है। अखिलेश यादव सपा कार्यालय में मीडिया को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि अयोध्या से किसानों का सब कुछ छीना जा रहा है। सरकार जानबूझकर कर जमीन छीन रही है। किसान विकास के खिलाफ नहीं है क्योंकि वो भी विकास में भागीदार बनना चाहते हैं। किसानों को बाजार भाव से मुआवजा मिलना चाहिए। हम किसानों के आभारी हैं जब अधिकारी डराने में लगे हैं उस दौर में भी वो सपा के पास आए हैं। जिस तरह से सरकार काम कर रहे है भाजपा के लोग भी जानते हैं कि बीजेपी उनकी भी सगी नहीं है। अयोध्या में दुनिया भर के लोगों को आस्था है लेकिन लोगों उजाड़ा नहीं जाना चाहिए। सर्किल रेट को छह गुना बढ़ाकर किसानों को मुआवजा दिया जाना चाहिए। अगर भाजपा सरकार ने नहीं दिया तो जब भी सपा की सरकार बनी बाजार भाव से मुआवजा दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि जहां आश्रम बनने चाहिए वहां होटल बन रहे हैं। वहां फाइव स्टार होटल बन रहे हैं। क्या वहां बार होंगे? अगर बार नहीं होंगे तो क्या फाइव स्टार का दर्जा मिलेगा? सपा अयोध्या को वर्ल्ड क्लास बनाएगी। लोकभवन का जिक्र करते हुए कहा कि सीएम जिस ऑफिस में बैठते हैं वो भी सपा सरकार की देन है। मिल्कीपुर उपचुनाव देश का सबसे महत्वपूर्ण चुनाव होगा। सरकार से मांग है कि इस चुनाव में पारदर्शी कामकाज का उदाहरण पेश करे। सच्चाई ये है कि मिल्कीपुर में भी उनके पैर उखड़ते जा रहे हैं। आप ज्यादा हमारा प्रचार न करिए वरना सरकार खाकी वर्दी वालों को भी उतार देगी। हर तबका हमारे साथ है। उन्होंने कहा कि बिजली के निजीकरण का हम विरोध करते हैं। उन्होंने कहा कि किसानों की तरह व्यापारी भी भाजपा के खिलाफ हैं। जीएसटी के डर से कारोबारी कानपुर लखनऊ छोड़कर जा रहे हैं। विभाग की लूट के कारण ऐसा हो रहा है। इसका गलत मैसेज इंवेस्टर समिट को जाएगा। भाजपा समर्थकों पर छापे पड़ रहे हैं। गोरखपुर में छापा पड़ा और वहां से 600 करोड़ रुपये बरामद हुए। इसके पहले, अयोध्या से आए किसानों ने कहा कि वहां प्राधिकरण किसानों से जमीन ले रहा है। उचित मुआवजा नहीं दे रहा है। पवन पांडे ने बताया कि किसान की जमीन को बगैर मुआवजा दिए लेने की बात कही जा रही है। किसान परेशान हैं। सरकार की जमीन लेकर पूंजीपतियों को दी जा रही है। पहले भी भूखंड लिया गया और गरीब किसानों से सस्ते में लेकर होटल के लिए महंगी कीमत पर दिया जा रहा है। किसान अयोध्या में विकास के खिलाफ नहीं है लेकिन कौड़ियों के भाव जमीन लेने के खिलाफ हैं।

भ्रष्टाचार की गंगोत्री हो चुका है बिहार : तेजस्वी

गया, (एजेंसी)। बिहार विधानसभा में विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने गुरुवार को भ्रष्टाचार के मामले में बिहार सरकार को आड़े हाथों लेते हुए कहा कि बिहार भ्रष्टाचार के मामले में गंगोत्री हो चुका है। तेजस्वी यादव यहां कार्यकर्ता दर्शन और संवाद यात्रा को लेकर पहुंचे हैं। उन्होंने पत्रकारों से चर्चा के दौरान कहा कि नीतीश कुमार बिहार दर्शन के लिए निकले हैं, जिसमें अरबों रुपए की बर्बादी हो रही है। बिहार गरीब राज्य है। उन्होंने विशेष राज्य के दर्जे की चर्चा करते हुए कहा कि केंद्र और प्रदेश में एनडीए की सरकार है, इसके बावजूद बिहार सरकार प्रदेश के लिए विशेष पैकेज की मांग नहीं कर रही। बिहार के पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव ने इस दौरान एक बार फिर डी के टैक्स की चर्चा करते हुए कहा कि सरकार को श्डीके बॉसश चला रहे हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि इस पूरे मामले में सबूत पेश कर जल्द पर्दाफाश करेंगे। दिल्ली चुनाव को लेकर पूछे गए एक प्रश्न के उत्तर में उन्होंने कहा कि राजद दिल्ली में चुनाव नहीं लड़ रही है। इंडिया गठबंधन के दिल्ली में टूटने के सवाल पर उन्होंने अपने अंदाज में कहा, छोड़िए दिल्ली को, बिहार में तो इंडिया गठबंधन है न। उन्होंने कहा कि महागठबंधन की 17 महीने की सरकार में हमने पांच लाख नियुक्ति पत्र राजधानी के गांधी मैदान में बांटे, लेकिन आज उसी गांधी मैदान में अभ्यर्थियों के ऊपर कड़ाके की ठंड में पानी की बौछार और लाठियां बरसाई जा रही हैं।

दिल्ली में कांग्रेस के प्रति लोगों का समर्थन बढ़ा : संदीप दीक्षित

नई दिल्ली, (एजेंसी)। दिल्ली विधानसभा चुनाव के लिए प्रत्याशियों के नामांकन का दौर जारी है। नई दिल्ली विधानसभा क्षेत्र से कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित ने गुरुवार को आईएएनएस से बात की और दिल्ली में कांग्रेस के प्रति लोगों के समर्थन बढ़ने की बात कही। कांग्रेस प्रत्याशी संदीप दीक्षित ने कहा कि वह पार्टी की संभावनाओं को लेकर आशावादी हैं। निवासियों से उनकी मुलाकातों से कांग्रेस के प्रति सकारात्मक सोच का पता चला है। उन्होंने कहा, ष्मुझे कांग्रेस की संभावनाओं के बारे में बहुत अच्छा लग रहा है। कई लोगों से मिलने और अन्य राजनीतिक दलों के बारे में उनकी राय जानने के बाद मुझे एहसास हुआ कि कांग्रेस के लिए समर्थन बढ़ रहा है। संदीप दीक्षित ने कहा, ष्चुनावों के लिए अपना नजरिया बनाने में जनता के मूड को समझना महत्वपूर्ण था। मेरा मानना है कि मतदाता सरकार के प्रदर्शन से संतुष्ट नहीं हैं। भाजपा नेता प्रवेश वर्मा के जूते बांटने के कृत्य की कांग्रेस प्रत्याशी ने आलोचना की। उन्होंने कहा, ष्ये कार्य समाज सेवा के लिए प्रतिबद्ध किसी व्यक्ति का समर्थन नहीं करते हैं। हमारा ध्यान जन सेवा पर है, दान देने पर नहीं। राजनीतिक नीतियों पर चर्चा होनी चाहिए। अगर कुछ मतदाता भी प्रलोभन के आधार पर अपना वोट बदलते हैं, तो यह लोकतंत्र की मूल भावना के खिलाफ है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले के लिए गृह मंत्रालय द्वारा दी गई मंजूरी पर संदीप दीक्षित ने कहा कि ष्गोवा और पंजाब में चुनावों के दौरान चल रही अफवाहों और वित्तीय अनियमितताओं को देखते हुए यह अपेक्षित था।

देश और दिल्ली में बढ़ रहा अपराध, भाजपा सरकार नाकाम : अरविंद केजरीवाल

नई दिल्ली, (एजेंसी)। आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल ने मुंबई में एक्टर सैफ अली खान पर हुए हमले के बाद देश की सुरक्षा व्यवस्था, रोहिंग्या का सीमा पार से आना, दिल्ली में अपराध आदि मुद्दों पर केंद्र सरकार को घेरते हुए इस्तीफे की मांग की है। अरविंद केजरीवाल ने कहा कि एक्टर सैफ अली खान पर हमला हुआ है। अभी पता चला है कि उनका इलाज चल रहा है। हम उम्मीद करते हैं, भगवान से प्रार्थना करते हैं कि वह जल्दी ठीक हो जाएं। यह बेहद चिंताजनक बात है कि इतना बड़ा एक्टर जिसकी सिक्योरिटी सख्त होगी और कोई खिड़की से उसके घर के अंदर घुस गया होगा, इतनी ज्यादा सिक्योर्ड प्लेस में रहने वाले एक्टर के घर के अंदर सोते हुए रात में कोई चाकू से हमला कर दे तो यह वहां की राज्य सरकार और केंद्र सरकार के ऊपर बहुत बड़े प्रश्न चिन्ह खड़ा करता है। उन्होंने कहा कि इसका मतलब दोनों सरकार लोगों को सुरक्षा देने में नाकाम रही हैं और मुंबई के अंदर यह पहला इंसिडेंट नहीं हो रहा। इसके पहले सलमान खान के यहां शूटआउट हुआ। बाबा सिद्दीकी का मर्डर कर दिया गया। इतने बड़े–बड़े देश के सेलिब्रिटीज ही सुरक्षित नहीं हैं और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की डबल इंजन की सरकार सुरक्षा नहीं दे सकती, तो एक आम आदमी की तो सुरक्षा की बात ही क्या करें। चारों तरफ से खबरें आ रही हैं कि गुजरात की जेल में बैठकर एक गैंगस्टर खुलेआम रंगदारी मार रहा है। खुलेआम शूटआउट के ऑर्डर दे रहा है। देशभर में अन्य गैंगस्टर खुलेआम अपना राज चला रहे हैं। ऐसा लग रहा है कि उन क्रिमिनल्स की मौजूदा सरकारों के अंदर अच्छी–खासी पैठ है। उन्होंने कहा कि ये केंद्र वाले रोज खड़े होकर कहते हैं कि हमसे इंडो–बांग्लादेश बॉर्डर की सुरक्षा नहीं हो रही। रोहिंग्या बॉर्डर क्रॉस करके आ रहे हैं। अगर रोहिंग्या बॉर्डर क्रॉस करके आ रहे हैं, तो आप क्या कर रहे हैं? सबसे पहली जिम्मेदारी किसी भी सरकार की होती है।

संपादकीय

मोटापा सब पे भारी

आर्थिक विषमताओं के बावजूद देश के लोगों में मोटापे की प्रवृत्ति का बढ़ना एक गंभीर स्वास्थ्य संकट की ओर इशारा करता है। इस संकट का विरोधाभासी पक्ष यह है कि अमीर संग गरीब भी मोटापे का शिकार हैं। जिसकी वजह से देश की आबादी के लिये मोटापे के मानकों को फिर से परिभाषित किया जा रहा है। इस बाबत नवीनतम दिशानिर्देश समस्या की गंभीरता को दर्शाते हैं। दरअसल, पारंपरिक बॉडी मास इंडेक्स यानी बीएमआई नये परिदृश्य में मोटापे को तार्किक रूप से परिभाषित नहीं करता। ये हमारी शरीर में बढ़ी चर्बी को नहीं दर्शाता। यह वजह है कि नये मानक पेट की चर्बी को प्राथमिकता देते हैं। दरअसल, हमारी शरीर की बढ़ी हुई चर्बी ही कालांतर मधुमेह और हृदय रोग जैसे चयापचय संबंधी विकारों को जन्म देती है। जो भारतीयों को असमान रूप से परिभाषित करता है। यही वजह है कि अब बीएमआई को माटापे नापने में अपर्याप्त माना जा रहा है। दरअसल, मोटाप नापने का परंपरागत मानक आनुवंशिक व शारीरिक संरचना के अंतर को नजरअंदाज करता है। जिसके विकल्प के रूप में अब कमर की परिधि और कमर से ऊंचाई के अनुपात को अधिक विश्वसनीय संकेतक के रूप में स्वीकार किया जा रहा है। दरअसल, वर्ष 2019–21 की अवधि के दौरान किए गये राष्ट्रीय परिवार स्वास्थ्य सर्वेक्षण–5 की रिपोर्ट के अनुसार देश में 23 फीसदी महिलाएं अधिक वजन वाली और चालीस फीसदी मोटे पेट वाली थीं। जबकि 22 फीसदी पुरुष अधिक वजन वाले और 12 प्रतिशत मोटे पेट वाले थे। विरोधाभासी रूप से गरीबों में भी इसका प्रभाव नजर आया है। दरअसल, आर्थिक विसंगतियों के बावजूद लोग कैलोरी सघन व पोषक तत्वों की कमी वाले प्रसंस्कृत खाद्य पदार्थों के विकल्प को चुनते हैं। ऐसे में इन खाद्य पदार्थों का सेवन करने वाले अधिक वजन वाले तो हो जाते हैं मगर रहते कुपोषित ही हैं। दरअसल, तेजी से बढ़ते शहरीकरण और निष्क्रिय जीवनशैली ने भी मोटापे की समस्या को बढ़ाया है। यह संकट उन कम आय वाले समूहों में भी है, जहां स्वास्थ्य देखभाल की सुविधा की कमी इससे जुड़े जोखिमों को बढ़ा देती है। निर्विवाद रूप से पोषण संबंधी खामियों और अस्वास्थ्यकर जीवनशैली के कारण ही मोटापे की समस्या बढ़ रही है। खासकर शहरी क्षेत्रों में जंक फूड का बढ़ता प्रचलन इस समस्या को बढ़ा रहा है। वहीं ग्रामीण क्षेत्रों में भी सामर्थ्य के अभाव में असंतुलित आहार जैसी चुनौतियों का सामना लोगों को करना पड़ रहा है। वहीं दूसरी ओर सोशल मीडिया में बाजार के भ्रामक प्रचार के चलते युवा स्वास्थ्य की बजाय सौंदर्यशास्त्र को प्राथमिकता देते हैं। जिसके लिये वे असुरक्षित आहार या कृत्रिम सप्लीमेंट का सहारा ले रहे हैं। राष्ट्रीय मधुमेह, मोटापा और कोलेस्ट्रॉल फाउंडेशन के शोध के निष्कर्ष मोटापे के लिये दो चरणीय वर्गीकरण प्रणाली पेश करते हैं। पहला उपचार पूर्व प्रयास और दूसरा उपचार। इस साक्ष्य आधारित दृष्टिकोण का उद्देश्य बढ़ते स्वास्थ्य जोखिमों को संबोधित करना, संतुलित जीवन शैली को अपनाना और मोटापे की महामारी पर अंकुश लगाना है। निश्चय ही तेजी से बढ़ते गैर संक्रामक रोगों पर अंकुश लगाने के लिये मोटापा दूर करने के गंभीर प्रयासों की जरूरत है। बदलते सामाजिक व आर्थिक परिदृश्य में लोगों का स्वस्थ भविष्य सुनिश्चित करने के लिये नीति–नियंताओं, स्वास्थ्य की देखभाल करने वाले पेशेवरों और जागरूक नागरिकों के सहयोगात्मक प्रयासों की जरूरत है। सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण है कि हम संतुलित भोजन के साथ अपनी शारीरिक सक्रियता को बढाएं। सप्ताह में हमारे व्यायाम, खेल, तैराकी, जिम व योग–प्राणायाम के न्यूनतम घंटे निर्धारित होने चाहिए। निर्विवाद रूप से हमारे खानपान का संयम, गतिशील जीवन और प्रकृति के अनुरूप खानपान चर्बी घटाने में सहायक हो सकता है। यदि हम ऐसा करते हैं तो हमारे शरीर में अनावश्यक चर्बी जमा नहीं होगी और हम मधुमेह, उच्च रक्तचाप व हृदय रोग जैसी चुनौतियों का सामना करने से बच सकते हैं। दरअसल, सिर्फ मोटापा ही समस्या नहीं है बल्कि यह रोगों का पूरा कुनबा साथ लेकर चलता है। जिसे हम अनुशासित जीवन शैली और खानपान में सावधानी से ही टाल सकते हैं। अंततरू हम अनुशासित जीवनचर्या व संतुलित आहार से अपनी रोग प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं।

खाद्य कीमतों में वृद्धि

संजय

पिछले दशक में दवा पर खर्च आसमान छू गया है और ईएमआई पर आधारित खपत कई गुना बढ़ गयी है। खपत के बढ़ते वित्तीयकरण ने सभी वर्गों के व्यय पैटर्न को प्रभावित किया है। ईंधन की कीमतों में वृद्धि भी विभिन्न वर्गों के उपभोग व्यय को प्रभावित करती है। पिछले दशकों में खाना पकाने के ईंधन पर खर्च में काफी वृद्धि हुई है। राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने हाल ही में घरेलू उपभोग व्यय सर्वेक्षण 2023–24 की तथ्य–पत्रिका जारी की है। यह वार्षिक श्रृंखला की दूसरी सर्वेक्षण रिपोर्ट है जो 2011–12 में सरकार द्वारा जारी किये गये 68वें दौर के उपभोग व्यय सर्वेक्षण के बाद लंबे अंतराल के बाद 2022–23 में शुरू हुई है। सरकार इस बार यह रिपोर्ट जारी करने में सहज प्रतीत होती है क्योंकि ग्रामीण भारत में मासिक प्रति व्यक्ति उपभोग व्यय (एमपीसीई) 2022–23 में 3,773 रुपये से बढ़कर 2023–24 में 4,122 रुपये और शहरी भारत में 6,459 रुपये से बढ़कर क्रमशरू 6,996 रुपये हो गया है। इसका अर्थ है कि ग्रामीण और शहरी भारत में उपभोग व्यय में क्रमशरू 9.25 और 8.31 प्रतिशत की वृद्धि हुई है। सामान्य उपभोक्ता मूल्य सूचकांक में 6 प्रतिशत की मुद्रास्फीति दर और 9 प्रतिशत से अधिक खाद्य मुद्रास्फीति दर है। इस महंगाई के समायोजन के बाद घरेलू उपभोग व्यय में नाममात्र की वृद्धि वास्तव में जीवन दशा सुधारने में कोई खास अर्थ नहीं रखती। हालांकि सरकार यह भी दावा करती है कि कुल उपभोग व्यय के गिनी गुणांक द्वारा मापी गयी असमानता ग्रामीण भारत के लिए 2022–23 में 0.226 से गिरकर 2023–24 में 0.237 हो गयी है। यह स्पष्ट रूप से इस तथ्य का खंडन करता है कि भारत के मामले में आय में असमानता तेजी से बढ़ रही है, जबकि उपभोग व्यय के मामले में असमानता मामूली रूप से कम हुई है। एनएसओ उपभोग व्यय वितरण को 12 भिन्न वर्गों में विभाजित करता है। सबसे निचला वर्ग उपभोग वितरण के सबसे गरीब 5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है और सबसे ऊपरी वर्ग भारतीय उपभोक्ताओं के सबसे अमीर 5 प्रतिशत का प्रतिनिधित्व करता है। वितरण को दो शीर्ष और निचले वर्गों के लिए 5 प्रतिशत की सीमा के साथ विभाजित किया गया है और बाकी को बीच के आठ भिन्न वर्गों के लिए 10 प्रतिशत की सीमा के साथ विभाजित किया गया है। 2023–24 में शीर्ष 5 प्रतिशत में औसत उपभोक्ता एक गरीब व्यक्ति द्वारा औसतन उपभोग किए जाने वाले उपभोग से छह गुना अधिक उपभोग करता है। यह स्पष्ट रूप से आय और धन में असमानता की तुलना में मामूली लगता है क्योंकि जैसे–जैसे आय बढ़ती है, किसी व्यक्ति की कुल आय में उपभोग व्यय का हिस्सा घटता जाता है। जैसे–जैसे लोग अमीर होते जाते हैं, आय या संपत्ति में वृद्धि की तुलना में उपभोग व्यय धीमी गति से बढ़ता है। दूसरी ओर, बढ़ी हुई आय का बड़ा हिस्सा गरीब लोगों द्वारा उपभोग में खर्च किया जाता है और उपभोग के मामले में असमानता आय या संपत्ति में असमानता की तुलना में बहुत कम होने की उम्मीद है। पिछले दशकों में उपभोग व्यय में एक महत्वपूर्ण प्रवृत्ति यह देखी गयी है।

देश के लिए आत्मघाती है मुफ्त की संस्कृति

क्षमा

इन दिनों दिल्ली में चुनाव का बोलबाला है। लगता है कि चुनाव जैसी सुपरहिट फिल्म सलीम–जावेद की जोड़ी भी नहीं लिख सकती थी। जिसमें ड्रामा हो, इमोशन हो, नारे हों, नाच–गाना हो, गाली–गलौज हो, एक–दूसरे को सबसे बड़ा खलनायक साबित करने की प्रतियोगिता हो। हर पार्टी अपने को जनता की सबसे बड़ी हितैषी दिखा रही है। इसमें भी तीन सेगमेंट प्रमुख हैं–दलित, पिछड़े और स्त्रियां। बढ़–चढ़कर घोषणाएं की जा रही हैंदृ ये ले लो, वह ले लो। दलित बच्चों के लिए विदेश में पढ़ने के लिए खास स्कॉलरशिप की घोषणा केजरीवाल ने की है तो स्त्रियों के लिए चुनाव जीतने के बाद इक्कीस सौ रुपये प्रतिमाह देने की घोषणा की जा रही है। स्त्रियों पर सबका फोकस है। कांग्रेस कह रही है कि वह यदि चुनाव जीती, तो महिलाओं को प्रतिमाह पच्चीस सौ रुपये देगी। फ्री–फ्री देने की होड़ लगी है। मध्यप्रदेश और महाराष्ट्र के चुनावों के बाद सबको लगता है कि अगर महिलाओं को लुभाना है, तो उन्हें अधिक पैसे देने की बात कहनी पड़ेगी। ऐसे में न तो कोई यह कहता है कि महिलाओं के करिअर के उत्थान के लिए क्या–क्या करेगा। उनकी नौकरियों के लिए क्या प्राथमिकताएं होंगी। उन्हें कैसे बढ़ाया जाएगा। देशभर की अड़तालीस करोड़ महिला वोटर्स के जीवन में क्या–क्या आफतें हैं, कौन–कौन से आंधी–तूफान झेलकर वे जिंदा रहती हैं, इन पर शायद किसी का ध्यान ही नहीं है। अपने देश की आबादी एक अरब, चालीस करोड़ है। हो सकता है कि अब कुछ और बढ़ गई हो। इनमें 2024 के आंकड़ों के अनुसार मात्र आठ करोड़, बासठ लाख टैक्स देने वाले हैं। इनमें भी सबसे बड़ी संख्या नौकरीपेशा लोगों की है। आबादी के हिसाब से यह संख्या कितनी मामूली है। कहा जाता है कि देश के विकास के लिए लोगों की आय पर टैक्स लगाया जाता है। जिस तरह से आय बढ़ती जाती है, टैक्स बढ़ता जाता है। लेकिन बड़े उद्योगपतियों पर शायद ये शर्तें लागू नहीं होतीं, क्योंकि माना जाता है कि वे रोजगार का सृजन करते हैं, इसलिए उन्हें अतिरिक्त सुविधाएं दी जाती हैं। यहीं से यह बात सोचनी पड़ती है कि जब आयकर देने वाले इतने कम हैं, तो किस हिसाब से इतने कम संसाधनों में देश का चौतरफा विकास हो सकता है। फिर जो भी विकास होता है उसमें कोई भी आयकर दाता के सहयोग को रेखांकित नहीं करता, बल्कि जिस दल के कार्यकाल में कोई पुल बनता है या कुछ और होता है तो उसका सेहरा वह अपने ही सिर बांधता है। ऐसे में चुनाव के वक्त मुफ्त यह और मुफ्त वह देने के लिए पैसे कहां से आएंगे, यह कोई नहीं बताता। सरकारें कटोरा लेकर विश्व बैंक और आईएमएफ के सामने खड़ी रहती हैं। और पैसे को तमाम ऐसे कार्यों में लगाने के मुकाबले जहां से लोगों को रोजगार मिल सके, वे आत्मनिर्भर हो सकें, वोट लेने के लिए कुछ न कुछ देने की घोषणाएं करती रहती हैं। दलों को यह मालूम है कि अपने देश में लोगों का लालच जितना बढ़ाओ, वह बढ़ता ही जाता है। यदि आपने आज एक रुपया बिना कुछ किए दिया है, तो कल जब तक डेढ़ रुपया देने की बात नहीं की जाएगी तो लोग कहेंगे– नया क्या दिया। एक रुपया तो पहले से ही मिल रहा है। फिर एक बार जो सुविधा आप किसी को भी मुफ्त में दे दें, वह उसे अपना अधिकार मान लेता है। कभी उसे वापस नहीं लिया जा सकता। यदि कोई दल ऐसा करने की कोशिश करे, तो चुनाव में उसकी हार पक्की हो जाती है। अब गांवों में बहुत से लोग काम नहीं करना चाहते। उन्हें लगता है कि सरकार मुफ्त में अनाज दे रही है। तरह–तरह की पेंशन मिल रही हैं। लड़कियों की शादी के लिए पैसा मिल रहा है, तो काम क्यों करें। किसी भी देश के विकास के लिए सबसे खतरनाक होता है कि लोगों को लालची बना दिया जाए। उन्हें अपने श्रम के मुकाबले बहुत कुछ मुफ्त में देने का भरोसा दिला दिया जाए। यही अपने देश में हो रहा है। हाल ही में उच्चतम न्यायालय ने मुफ्त की रेवड़ियों पर तंज कसते हुए कहा था कि राज्य सरकारों के पास फ्री की रेवड़ियां देने को तो बहुत कुछ है, लेकिन जजों की तनख्वाह बढ़ाने के लिए पैसे नहीं हैं। यानी उच्चतम न्यायालय में भी बहुत से न्यायाधीश इसके पक्ष में नहीं हैं। तब क्यों नहीं इस मुफ्तवाद को रोका जाता है। इस मुफ्त की संस्कृति ने सोवियत संघ जैसी महाशक्ति को उखाड़ फेंका। पूर्वी यूरोप के समाजवादी देशों में समाजवाद खत्म हो गया। वैनेजुएला जैसी तरक्की पसंद आर्थिकी नष्ट हो गई। एक समय में वैनेजुएला दुनिया के अमीर और ताकतवर देशों में गिना जाता था। लेकिन आज वहां बेहद महंगाई है। नौकरियां नहीं हैं। गरीबी बढ़ती जा रही है। मगर हमारे देश के नेताओं ने वोट के लालच में इन देशों की बदहाली से कोई सबक नहीं सीखा। सीखें भी क्यों। जब तक देश डूबेगा, ये तो निकल चुके होंगे। हमारे शरीर के अंगों के बारे में कहा जाता है कि जिनका इस्तेमाल करना हम छोड़ देते हैं, वे धीरे–धीरे बीमार हो जाते हैं। प्रकृति उनका विकास बंद कर देती है। यही हाल हमारे मस्तिष्क और हाथ–पांवों का है। अगर हम दिमाग का इस्तेमाल कम कर दें, तो धीरे–धीरे दिमाग कुंद हो जाएगा। अगर हम हाथ–पांव से काम करना छोड़ दें, तो एक दिन वे हमारा साथ छोड़ देंगे। परिश्रम का भी यही हाल है। अगर आप मेहनत करना बंद कर दें, तो एक दिन ऐसा आएगा कि कोई काम नहीं कर पाएंगे। यहां तक कि भोजन भी नहीं पचा पाएंगे। तरह–तरह से दिए गए लालच ऐसा ही करते हैं। अपने देश में तो अरसे से यह कहा जाता है कि नौकरी कौन–सी अच्छी है। अच्छी नौकरी माने वह, जिसमें कुछ काम न करना पड़े और पैसे भरपूर मिलें। पैसे और काम का सम्बंध न जाने क्यों हमारे यहां जोड़ा ही नहीं गया। जबकि देखा जाए तो किसान अगर अपने खेतों में मेहनत न करे तो कुछ नहीं उगा सकता। नई पीढ़ी के वे लोग जिन्होंने अपने परिवार के लोगों को हाड़–तोड़ परिश्रम करते देखा है, उनमें से बहुत से इसलिए काम नहीं करना चाहते, क्योंकि उन्हें लगता है कि जब सरकार सब कुछ यों ही दे रही है, तो क्यों शरीर को कष्ट दिया जाए। वे सरकारें ही अच्छी मानी जाती हैं, जो लोगों से काम करने को नहीं कहतीं, मुफ्त में ही सब कुछ देती रहती हैं। यह एक चिंताजनक स्थिति है। जो लोग काम नहीं कर सकते, बुजुर्ग हैं, जिनकी देखभाल करने वाला कोई नहीं, असमर्थ हैं, बेरोजगार हैं, सरकारें उनकी मदद जरूर करें, मगर सभी को रेवड़ियां बांटें, यह ठीक नहीं है।

भारत के लिये खतरा है पाक-बांग्लादेश की नजदीकियां

ललित

बांग्लादेश की कार्यवाहक सरकार प्रधानमंत्री शेख हसीना के अपदस्थ होने के बाद से लगातार भारत विरोधी गतिविधियों एवं कारगुजारियों एवं षडयंत्रों में संलग्न है, लगता है पाकिस्तान के शह पर बांग्लादेश का भारत विरोधी रवैया बढ़ रहा है। बांग्लादेश में लगातार भारत विरोधी मुहिम व अल्पसंख्यक हिन्दुओं एवं हिन्दू धर्मस्थलों पर हिंसक हमलों के बाद अब भारत सीमा पर बाड़बंदी को लेकर बेवजह का विवाद खड़ा किया जा रहा है। जबकि इस मुद्दे पर दोनों देशों के बीच पहले ही सहमति बनने के बाद बड़े हिस्से पर बाड़बंदी हो चुकी है। लेकिन टकराव मोल लेने को तैयार बैठे बांग्लादेश के हुक्मरान विवाद के नये–नये मुद्दे तलाश रहे हैं एवं दोनों देशों की आपसी संबंधों को नेस्तनाबूंद कर रहे हैं। बांग्लादेश भारत की शांति व सद्भाव की कामना एवं सहनशीलता को उसकी कमजोरी न माने, ऐसी भूल बांग्लादेश के लिये बहुत भारी पड़ सकती है। दोनों देशों की शांति, सद्भावना एवं सौहार्द के लिये किसी तीसरे देश के दखल को बढ़ने न दिया जाये। 2015 में शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ढाका पहुंचे। यहां दोनों नेताओं ने एक समझौते पर हस्ताक्षर किया। इसे लैंड बाउंड्री एग्रीमेंट कहते हैं। इसी के अन्तर्गत भारत ने अब तक 3271 किलोमीटर सीमा कर बाड़बंदी कर दी है। अब केवल 885 किलोमीटर खुली सीमा की बाड़बंदी बाकी है। भारत बचे इलाके की बाड़बंदी कर रहा है लेकिन बांग्लादेश भारत की कोशिशों में अड़ंगा डाल कर दोनों देशों के बीच हुए समझौते को नकार रहा है। बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने ढाका में भारतीय उच्चायुक्त प्रणय वर्मा को बुलाकर विरोध व्यक्त किया तो इसके जवाब में भारत ने भी जवाबी कार्रवाई की और बांग्लादेश के डिप्टी हाईकमिश्नर नूरूल इस्लाम को तलब कर अपना विरोध जताया। भारत अपनी सीमाओं को अभेद्य बना रहा है। सीमाओं के खुले रहने से बांग्लादेश से लगातार अवैध घुसपैठ, हथियारों की तस्करी, ड्रग स्मगलिंग, नकली नोटों का कारोबार और आतंकवादी गतिविधियां लगातार हो रही हैं। विशेषतः पाकिस्तान अब अपनी आतंकवादी गतिविधियों को अंजाम देने के लिये बांग्लादेश का उपयोग कर रहा है। दरअसल, बांग्लादेश की युनूस सरकार पाकिस्तान के इशारों पर पुराने मुद्दे उछाल कर विवाद को हवा दे रही है। निश्चित ही पाक से उसकी नजदीकियां लगातार बढ़ी हैं और वहां पाक सेना के अधिकारियों की सक्रियता देखी गई है, ऐसी जटिल होती स्थितियों में भारत को अपनी सुरक्षा चिंताओं के लिये कदम उठाने ही चाहिए एवं अपनी सीमाओं को सुरक्षित बनाना ही चाहिए। पाकिस्तान पंजाब, जम्मू–कश्मीर व नेपाल के रास्ते आतंकवादियों को भारत भेजने की कोशिशें लगातार करता रहा है, अब उसने बांग्लादेश को भी इन गतिविधियों के लिये चुना है एवं बांग्लादेश से लगी भारत की खुली सीमा का दुरुपयोग कर रहा है तो भारत को सतर्क एवं सावधान होना ही चाहिए। पाकिस्तान से लगती सीमा पर तमाम चौकसी के बाद भी सीमा पार से जिस तरह जब–तब आतंकियों की घुसपैठ होती रहती है, वह गंभीर चिंता की बात है। जब पाकिस्तान से लगती सीमा भारत की सुरक्षा के लिए खतरा बनी हुई है, तब यह शुभ संकेत नहीं कि बांग्लादेश से लगी सीमा भी भारत के लिए चिंता का कारण बने। बड़ी सच्चाई है कि पाक का जन्म ही भारत विरोधी मानसिकता से हुआ है। ऐसे में अतीत से सबक लेते हुए भारत को अपनी सीमाओं की सुरक्षा को लेकर किसी तरह की चूक नहीं करनी चाहिए। किसी भी तरह की ढिलाई भारतीय सुरक्षा पर भारी पड़ सकती है। भारत की उदारता को बांग्लादेश हमारी कमजोरी न मान ले, इसलिए उसे बताना जरूरी है कि भारत से टकराव की कीमत उसे भविष्य में चुकानी पड़ सकती है। यह भी कि संबंधों में यह कसैलापन, दौगलापन एवं टकराव लंबे समय तक नहीं चल सकता। उसकी यह कटुता उसके लिये ही कालांतर घातकएवं विनाशकारी साबित हो सकती है। यह विडंबना ही है कि नोबेल पुरस्कार से सम्मानित अंतरिम सरकार के प्रमुख मोहम्मद यूनुस से क्षेत्र में शांति व सद्भाव की जो उम्मीदें थी, उसमें उन्होंने मुस्लिम कट्टरपंथ को आगे करके निराश ही किया है। उनकी सरकार लगातार विघटनकारी, अड़ियल व बदमिजाजी का रुख अपनाए हुए है, दोनों देशों के संबंध बिगाड़ने में पर्दे के पीछे पाकिस्तान की भूमिका को साफ–साफ देख जा रहा है। जबकि शेख हसीना शासनकाल में भारत और बांग्लादेश के संबंध सामान्य थे तो भारत बांग्लादेश को विश्वास में लेकर बाड़बंदी कर रहा था लेकिन अब यूनुस सरकार लगातार उकसाने वाली कार्रवाई कर रही है। उसने पाकिस्तानियों का बांग्लादेश में प्रवेश आसान कर दिया है तो पाक के बांग्लादेश को भारत विरोधी प्लेटफॉर्म के रूप में इस्तेमाल करने की आशंका से इनकार नहीं किया जा सकता। इसी के चलते बांग्लादेश की भारत विरोधी बयानबाजी और कारगुजारी से दोनों देशों के संबंधों में जबरदस्त कड़वाहट आ चुकी है। बावजूद इसके गत दिसम्बर में भारत के विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने अपनी ढाका यात्रा के दौरान बांग्लादेश को आश्वस्त किया था कि भारत उसका दोस्त बना हुआ है और व्यापार, ऊर्जा, बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के मामलों में रिश्ते पहले की तरह बरकरार रहेंगे। उस समय ऐसा लगा था कि दोनों पक्षों ने सीमा पर स्थिति कोघ्शांत कर लिया है। यूनुस सरकार ने भारत विरोधी तत्वों को न केवल हवा दी है बल्कि उनको उग्र कर दिया है। जेल में बंद कई भारत विरोधी तत्वों को बेल दे दी गयी है, ये ही तत्व भारत में अस्थिरता फैलाने की साजिश रच रहे हैं। लिहाजा भारत के लिये बॉर्डर पर घेराबंदी अत्यावश्यक हो गयी है। राजनीतिक आग्रह, पूर्वाग्रह एवं दुराग्रह के चलते यूनुस सरकार शेख हसीना के पिता की विरासत को निपटाने एवं धुंधलाने की कोशिशों में लगी हुई है। कट्टरपंथी तत्व जनाक्रोश के चलते अपनी सुविधा का मुहावरा गड़ने का प्रयास कर रहे हैं। भारत में पहले से ही लाखों बांग्लादेशी अवैध रूप से रह रहे हैं लेकिन ढाका द्वारा आतंकवादियों और दोषी ठहराए गए इस्लामी कट्टरपंथियों की रिहाई के बाद भारत द्वारा बॉर्डर पर कंटीले तारों को लगाने की कोशिश का बांग्लादेशघ्सरकार द्वारा कड़ा विरोध दर्शा रहा है कि पाकिस्तान की तरह बांग्लादेश भी भारत में अस्थिरता, अशांति एवं अराजकता फैलाना चाहता है। बांग्लादेश बाड़ लगाने के समझौते का सम्मान करने के बजाय उसकी समीक्षा करने की बात करके उसमें रौड़ा अटकाना चाह रहा है। वह उन स्थानों पर कंटीले तारों वाली बाड़ लगाने का खास तौर पर विरोध कर रहा है, जहां से बड़े पैमाने पर घुसपैठ और तस्करी होती है और यही से आतंकवादी गतिविधियों को संचालित करने की संभावनाएं हैं। इसके कुछ पुष्ट प्रमाण भी मिले है। इस संदर्भ में बांग्लादेश वैसे ही कुतर्क एवं बेतूके तथ्य प्रस्तुत कर रहा है, जैसे सीमा सुरक्षा के भारत के प्रयत्नों पर पाकिस्तान करता रहता है। हैरानी नहीं कि यह बांग्लादेश से पाकिस्तान की हालिया नजदीकी किसी बड़ी दुर्घटना या आतंकी हमले का सबब बन जाये। भारत इसकी अनदेखी नहीं कर सकता।

दिल्ली व दिल से दूरी घटाने की कवायद

प्रदीप

केंद्रशासित प्रदेश जम्मू–कश्मीर के लिए 2025 की शुरुआत से सौगातें बरस रही हैं। जनवरी के पहले सप्ताह में जम्मू को नया रेल मंडल और दूसरे सप्ताह कश्मीर के गांदरबल में सोनमर्ग सुरंग का शुभारंभ हुआ है। सुखद संकेतों का सिलसिला 26 जनवरी और फरवरी में पेश होने वाले बजट में भी नजर आया तो नए सियासी समीकरण भी बनना तय है। हालिया तोहफे जम्मू और कश्मीर के भेदभाव रहित विकास का द्योतक तो हैं ही, सामाजिक – आर्थिक संरचना को सुव्यवस्थित करने के साथ ही चीन और पाकिस्तान को सामरिक सशक्तीकरण और आधुनिकीकरण का भी संदेश है। पांच अगस्त, 2019 को अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद विधानसभा चुनाव के क्रम में दोनों फैसलों से पता चलता है कि केंद्रशासित प्रदेश की सरकार ने सही परिप्रेक्ष्य में समझ कर योजनाओं का क्रियान्वयन शुरू कर दिया है। दोनों सरकारों में बढ़ी समझदारी बता रही है कि जम्मू–कश्मीर में राज्य का अधयाय जल्द शुरू नहीं होगा। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला की राज्य के दर्जे की बहाली की मांग मानने से पहले मोदी सरकार भाजपा के राजनीतिक विस्तार की बुनियाद को कश्मीर में भी मजबूत करने में कोर–कसर नहीं छोड़ेगी। अनुच्छेद 370 से मुक्त होने के बाद जम्मू–कश्मीर को शेष देश के रेल नेटवर्क से जोड़ने के लिए तेजी से बढ़े कदमों का नतीजा है कि जम्मू के साथ कश्मीर भी भारत का 'अभिन्न अंग' वास्तविक तौर पर अब होगा। कश्मीर से कन्याकुमारी ही नहीं, कच्छ, कामरूप और कोलकाता से कश्मीर के जुड़ाव से सामाजिक और सांस्कृतिक समरसता के अलावा आध्यत्मिक और धार्मिक गतिविधियों को विस्तार मिलेगा। पर्यटन को पंख लगेंगे तो आर्थिकी की रफ्तार बढ़ेगी और फिर जम्मू के लखनपुर से लद्दाख के लेह तक के लोगों का कायाकल्प होना तय है। यही नहीं, केंद्र ने जम्मू में बनाए गए 742 किलोमीटर के रेल मंडल के रूप में पंजाब के पठानकोट, हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा, धर्मशाला शहर के अलावा माता ज्वाला देवी, माता चामुंडा देवी शक्तिपीठ के साथ ही केंद्रशासित लद्दाख के लेह को इसके दायरे में लाकर सीमावर्ती क्षेत्रों तक सुरक्षा तंत्र को सुदृढ़ और सुसंगठित करने का इरादा जता दिया है। दरअसल, कश्मीर घाटी को रेलवे रूट से जोड़ने की योजना 1997 में बनी थी। करीब तीन दशक की मशक्कत के बाद यह सपना सच हो रहा है। अब नया कश्मीर नजर आने लगा है। जल्दी ही जम्मू–श्रीनगर के बीच चलने वाली ट्रेनें माता वैष्णोदेवी के साथ कश्मीर में मार्तंड सूर्य मंदिर के भी दर्शन कराएंगी। साथ ही अनंतनाग– बिजबेहड़ा– पहलगाम के अलावा अवंतीपोरा– शोपियां (28 किलोमीटर) रेल लाइन का सर्वे चल रहा है। इसके निर्माण के बाद बाबा बर्फानी के दर्शनार्थी और पर्यटक सुखद और रोमांचक यात्रा का आनंद ले सकेंगे। साथ ही नियंत्रण रेखा पर सुरक्षा प्रहरियों की पहुंच शीघ्र सुनिश्चित करने के लिए बारामुला–उड़ी, बारामुला–कुपवाड़ा, जम्मू–पुंछ वाया अखनूर–राजोरी और मनवाल वाया रामकोट– बिलावर– दुनेरा नई रेलवे लाइन बिछाने की डीपीआर बनाई जा रही है। बारामुला–बनिहाल रेलवे लाइन के दोहरीकरण का भी प्रस्ताव है। फिलहाल, सोनमर्ग की सुरंग ने लद्दाख के साथ हर मौसम में संपर्क का रास्ता खोल दिया है। आगे के सुगम मार्ग के लिए जोजिला इसका अगला पड़ाव है। अब केंद्रशासित प्रदेश के बजट से जम्मू–कश्मीर को बड़ी उम्मीदें हैं। बजट के प्रावधान और रियायतें केंद्र के अगले लक्ष्य की ओर इशारा करेंगे। मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला ने इसके मद्देनजर केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण का गंभीर आर्थिक हालत पर ध्यान दिलाया है। उन्होंने केंद्र से गुहार लगाई है कि जम्मू–कश्मीर को पूर्वोत्तर के राज्यों की श्रेणी में रखा जाए, जिसमें इन राज्यों को कर्ज देने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं। वे चाहते हैं कि पूंजीगत निवेश में विशेष सहायता के लिए उन्हें 50 साल के लिए ब्याज मुक्त ऋण दिए जाने वाले प्रदेशों की सूची में भी शामिल किया जाए। यहां जानना जरूरी है कि 2024–25 के बजट में केंद्र शासित प्रदेश में छह हजार करोड़ का राजस्व घाटा है। जीडीपी के मुकाबले कर्ज

की राशि तेजी से बढ़ रही है। आर्थिक स्थिति और समन्वय का अभाव ही है कि विधानसभा के नवनिर्वाचित सदस्यों को तीन महीने बाद जनवरी में केवल एक महीने का वेतन मिल पाया है। नई सरकार ने 16 अक्तूबर को शपथ ली थी। 'दिल्ली से दूरी' और 'दिल की दूरी' कम करने के लिए जम्मू–कश्मीर में कम करने के लिए 42 हजार करोड़ रुपये की परियोजनाएं चल रही हैं। दूसरी तरफ आतंकवाद मुक्त जम्मू–कश्मीर की कवायद भी है। इस बीच राज्य के दर्जे की बहाली के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृहमंत्री अमित शाह से मिल चुके मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला वर्तमान परिस्थितियां समझ गए हैं। वह सियासी संशय दूर कर सरकार का सफर समझदारी से पूरा करना चाहते हैं। सरकार बनने के बाद उमर ने अनुच्छेद 370 की वापसी की मांग से भी किनारा कर लिया है। आठ नवंबर, 2024 को विधानसभा के उद्घाटन सत्र में पारित प्रस्ताव में अनुच्छेद 370 की वापसी के बजाय जम्मू–कश्मीर को विशेष राज्य के दर्जे की मांग की गई है। प्रधानमंत्री की प्रशंसा और कांग्रेस से दूरी बनाने के बावजूद उन्हें राज्य के दर्जे की बहाली के लिए बार–बार याद दिलाने के साथ 'उचित समय' का इंतजार करना होगा।

सरयू में स्नान कर महामंडलेश्वर ने महाशतचंडी यज्ञ का लिया संकल्प

खमरौनी यज्ञशाला में रामनाम जाप से आयोजन शुरू

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

गोंडा। बेलसर ब्लाक के परसपुर मार्ग पर खमरौनी स्थित ज्वालामाई मंदिर में 25वें महाशतचंडी यज्ञ के आयोजन का बुधवार को अयोध्या के सरयू में स्नान कर महामंडलेश्वर स्वामी रामसेवक दास उर्फ त्यागी बापू ने संकल्प लिया। महाशतचंडी विराट यज्ञ आयोजन के प्रवक्ता दुर्गा प्रसाद तिवारी ने बताया कि गुजरात के सूरत स्थित सिद्ध हनुमान पीठ के महंत महामंडलेश्वर स्वामी त्यागी बापू के संरक्षण में पिछले 24 वर्ष से 25 जनवरी से खमरौनी मंदिर में विराट यज्ञ का आयोजन किया जाता है। यज्ञ में गुजरात व क्षेत्र के हजारों श्रद्धालु शामिल होते हैं। जिसके क्रम में बुधवार को स्वामी त्यागी बापू ने स्नान पूजन कर वैदिक मंत्रोच्चार के बीच 25वें शतचंडी यज्ञ का संकल्प लिया। इसके साथ ही अपराह्न में खमरौनी के ज्वालामाई मंदिर में 21 दिवसीय रामनाम जाप व रामायण पाठ शुरू हो गया। नौ कुंडीय महाशतचंडी यज्ञ का शुभारंभ 25 जनवरी को यज्ञशाला से वाराही मंदिर व पसका स्थित सूकर खेत तक शोभायात्रा निकालकर किया जाएगा। 26 जनवरी से 4 फरवरी तक दस दिवसीय यज्ञ में मथुरा वृंदावन के रासलीला मंडल द्वारा दोपहर में रामलीला व रात्रि में रासलीला व अन्य सांस्कृतिक आयोजन किया जाएगा। संकल्प में सत्यप्रकाश उपाध्याय, इंद्र बहादुर तिवारी, रमाकांत पांडेय, प्रदीप तिवारी, रवि सिंह, कुलदीप सिंह, सन्तोष पांडेय, गुलशन शर्मा व संतोष सिंह शामिल रहे।

उद्यमियों व्यापारिक पार्सल बुकिंग और सामाजिक सुरक्षा योजनाओं के लिए विशेष प्रयास करेगा इंडिया पोस्ट : कर्नल विनोद

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर डाक सेवाओं के व्यापक प्रचार–प्रसार के लिए वैलियंट वाराणसियन बाइक रैली के साथ महाअभियान जौनपुर शुरू हुआ। इस संबंध में जानकारी देते हुए कर्नल विनोद कुमार सिंह पोस्टमास्टर जनरल वाराणसी ने पत्रकारों से बात करते हुए बताया कि वैलियंट वाराणसियन डाक विभाग की योजनाओं की जागरूकता एवं संवधन के लिए वाराणसी परिक्षेत्र के नेतृत्व में परिक्षेत्र के डाककर्मियों द्वारा निकाली जा रही है। जौनपुर जिले में डाक सेवा महाअभियान के पहले दिन ग्राहक संगोष्ठी का आयोजन किया गया जिसकी अध्यक्षता कर्नल विनोद कुमार, पीएमजी ने की एवं संगोष्ठी में डॉ बृजेश कुमार यादव चेयरमैन सतहरिया औद्योगिक विकास प्राधिकरण, विकास सिंह चेयरमैन व्यापार संघ जौनपुर सहित जौनपुर जिले के व्यापारियों एवं संभावित ग्राहक उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आर. के. चौहान अधीक्षक डाकघर जौनपुर मंडल, अनिकेत रंजन निरीक्षक, ऋषिराज चौहान द्वारा डाक विभाग के सेवाओं जिनमें बल्क ग्राहक के लिए आकर्षक छूट, डाक घर निर्यात केंद्र, मीडिया पोस्ट, ईपोस्ट, डायरेक्ट पोस्ट, जन सुरक्षा योजनाएं, बचत बैंक योजनाएं, डाक जीवन बीमा एवं इंडिया पोस्ट पेमेंट्स बैंक द्वारा व्यापारियों की सुगमता हेतु विभिन्न बिंदुओं पर पीपीटी के माध्यम से अवगत कराया गया स वर्तमान में जौनपुर के अधिकतर एसबीआई शाखाएं बीएनपीएल में पंजीकरण करा चुकी हैं स ग्राहको को उनके व्यवसाय के प्रचार प्रसार के लिए डाक विभाग की मीडिया पोस्ट तथा डायरेक्ट पोस्ट की सुविधा के बारे में बताया गया स साथ ही डाक विभाग ने सभी ऊपस्थित व्यापारियों को उनके द्वारा भेजे जाने वाले सभी आर्टिकल्स को उनकी बुकिंग से लेकर डिलीवरी तक ट्रैक करने के साथ–साथ नियत समय मुझे गंत्व्य तक पहुचाने का आश्वासन दिया गया स डाक विभाग की अनूठी योजना मात्र 20 रुपए वार्षिक निवेश पर 2 लाख रुपये का प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना की सुविधा तथा रुपए 436ध्– वार्षिक निवेश की प्रधानमंत्री जीवन ज्योति योजना के बारे में विस्तार से चर्चा की गई । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पी एम जी कर्नल विनोद कुमार ने व्यापार मंडल के अध्यक्ष तथा सभी उपस्थित व्यापारियों से कॉर्पोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व के साथ मिलकर काम करने का आह्वान किया स साथ ही 1.6 लाख डाकघरों के इस विशाल डाक विभाग की ई पोस्ट सेवा, डोरस्टेप सर्विसेज के साथ हर योजना को जन जन तक पहूंचाने का आश्वासन दिया गया स अध्यक्ष व्यापार मंडल विवेक कुमार सिंह तथा ब्रिजेश कुमार यादव की सहातरिया डाकघर को अपग्रेड करने की आवश्यकता बताई गई जिसे कर्नल विनोद कुमार, पीएमजी वाराणसी द्वारा त्वरित कार्यवाही कर समाधान करने का आश्वासन दिया गया इस अवसर पर श्रीमती पल्लवी मिश्र, सहायक अधीक्षक(सतर्कता) क्षेत्रीय कार्यालय वाराणसी, उमंग, आनंद, राहुल सहित अन्य डाककर्मी उपस्थित रहेद्य वैलियंट वाराणसियन की टीम ने अपने अभियान में अब तक लगभग पंद्रह हजार से अधिक बचत खाता एवं सुकन्या समृद्धि के खाते, 21 लाख से अधिक बीमा का नया प्रीमियम एवं 11 संपूर्ण सुकन्या ग्राम, 07 महिला सम्मान बचत ग्राम, 12 संपूर्ण बीमा ग्राम बनाये जा चुके हैं। उसके पश्चात आम नागरिक में डाक जागरूकता हेतु बाइक रैली निकाली गयी। रैली प्रधान डाकघर जौनपुर से निकलकर शाही किला, अटाला मस्जिद, सद्भावना पुल के रास्ते कचहरी, पुलिस लाइन से होते हुए अम्बेडकर चौराहा, जेसीज चौराहा से होकर वापस प्रधान डाकघर जौनपुर पहुंचीद्य रैली के दौरान डाक विभाग की प्रत्येक जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी के साथ डाक सेवा जन सेवा का संदेश भी दिया गया। कार्यक्रम में विशेष रूप से रवि राजन विक्रांत सिंह और राहुल चौहान ने योगदान दिया।

संक्षिप्त समाचार

जिलाधिकारी ने देखा वंदन योजना के कार्यो का थ्री डी मॉडल

हरदोई(अम्बरीष कुमार सक्सेना)

आज कलेक्ट्रेट कक्ष में जिलाधिकारी मंगला प्रसाद सिंह ने नगर पालिका हरदोई में वंदन योजना के अंतर्गत शहीद उद्यान में होने वाले कार्यों का स्क्रीन पर थ्रीडी मॉडल देखा। जिलाधिकारी ने कहा कि आगणन तैयार कर आगे की कार्रवाई की शुरुआत जल्द करायी जाये। गुणवत्ता का पूरा ध्यान रखा जाये। परिसर को आकर्षक बनाने का कार्य किया जाये। तालाब में जल निकासी व जल भरने की उचित व्यवस्था

की जाये। तालाब में बोटिंग की व्यवस्था करायी जाये। किनारे पाथ वे बनवाया जाये जिसके किनारे प्रत्येक 5 मीटर पर लाइट लगायी जाये। तालाब में दो स्थानों पर सीढ़ी बनवायी जाये। पाथ वे किनारे हरियाली की बेहतर व्यवस्था की जाये। एक अच्छा कैफे हाउस बनाया जाये। बच्चों के झूलों की व्यवस्था को बेहतर बनाया जाये। कई प्रकार के झूले लगवाए जाएं। शहीद स्तम्भ को दुरुस्त किया जाये।इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रियंका सिंह, नगर पालिका अध्यक्ष सुख सागर मिश्र मधुर व अन्य सम्बंधित लोग उपस्थित रहे।

डायमण्ड जुबिली जम्बूरी तमिलनाडू के लिए लखनऊ ,उत्तर प्रदेश से राष्ट्रीय स्टाफ के रूप में ए0एल0टी0 गाइड चुनी गई वन्दना तिवारी

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। भारत स्काउट और गाइड राष्ट्रीय मुख्यालय द्वारा इस वर्ष की डायमण्ड जुबिली जम्बूरी का आयोजन दिनांक 28 जनवरी 2025 से 3 फरवरी 2025 तक प्च्ब्ज् इंडस्ट्रियल पार्क मनप्पाराई ,तिरुचिरापल्ली,

जिला त्रिची,तामिलनाडु में किया जाएगा। मण्डलीय विज्ञान प्रगति अधिकारी लखनऊ मण्डल डॉ0दिनेश कुमार ने बताया उपरोक्त डायमण्ड जुबिली जम्बूरी के लिए लखनऊ मण्डल के राजकीय बालिका इण्टर कॉलेज ,सरोसा –भरोसा, लखनऊ की प्रवक्ता वन्दना तिवारी जो कि ए0एल0टी0(असिस्टेंट लीडर ट्रेनर)गाइड भी हैं,को राष्ट्रीय स्टाफ के रूप में नियुक्त किया गया है।

संस्कृति उत्सव–2024–25'' मनाये जाने सम्बन्धी निर्देश दिये गये : प्रमुख सचिव

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। प्रमुख सचिव उ0प्र0 शासन के पत्र द्वारा उत्तर प्रदेश पर्व हमारी संस्कृति हमारी पहचान के अन्तर्गत ''संस्कृति उत्सव–2024–25'' मनाये जाने सम्बन्धी निर्देश दिये गये है। दिये गये निर्देश के क्रम में गाँव, पंचायत, ब्लाक, तहसील एवं जनपद स्तर के कलाकारों द्वारा उत्तर प्रदेश पर्व हमारी संस्कृति हमारी पहचान का कार्यक्रम सम्पन्न किया जाना है तथा तहसील स्तर पर निर्णायक मण्डल द्वारा चयनित कलाकारों की प्रतियोगिता जनपद स्तरध्मुख्यालय पर किया जाना है। उक्त संस्कृति उत्सव में गायन क्षेत्र में शास्त्रीय गायन, ख्याल, ध्रुपद, उपशास्त्रीय गायन, ठुमरी, दादरा, चौती, चौता, झूला, होरी, टप्पा, लोक गायन, कजरी, चौती, झूला, बिरहा, आल्ह, निर्गुण, लोकगीत, कव्वाली आदि, सुगम संगीत, गीत गजल, भजन, देशभक्ति गीत एवं अन्य, वादन क्षेत्र – स्वर वाद्य सुषिर वाद्य बांसुरी, शहनाई, हारमोनियम तन्तु वाद्य आदि तथा नृत्य क्षेत्र में– कथक, भरतनाट्यम, ओडिसी, मोहिनीअट्टम तथा अन्य शास्त्रीय नृत्य, लोक नृत्य, आदि तथा लोक नाट्य क्षेत्र में – नौटंकी, रामलीला, स्वांग, नुक्कड नाटक आदि विधा में प्रतियोगिता का आयोजन किया जायेगा। जिला सूचना अधिकारी ने जनपद के कलाकारों को अवगत कराया है कि ''संस्कृति उत्सव हेतु जिला सूचना कार्यालय, जौनपुर से फार्म का प्रोफार्मा प्राप्त कर आफलाइन फार्म भरकर जिला सूचना कार्यालय, जौनपुर में 20 जनवरी 2025 तक उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें, अन्य किसी जानकारी के लिए जिला सूचना कार्यालय, जौनपुर में सम्पर्क कर सकते है।

25 जनवरी को मनाया जाएगा 15वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर । जिलाधिकारीधजिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में अपर जिलाधिकारीध्उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान द्वारा राष्ट्रीय मतदाता दिवस के संबंध में बैठक की गई। बैठक में राष्ट्रीय मतदाता दिवस जनपद स्तर व विधानसभा स्तर पर बृद्ध रुप से मनाये जाने हेतु चर्चा की गई। अपर जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि जनपद में 25 जनवरी को 15वाँ राष्ट्रीय मतदाता दिवस हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाएगा। सभी विधानसभा स्तर व समस्त मतदान केंद्रों पर कार्यक्रम होगा और मतदाता शपथ दिलाई जायेगी तथा नये युवा मतदाता को ईपिक कार्ड प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। मुख्य कार्यक्रम टी डी इन्टर कालेज में दिन में 11 बजे से आयोजित है। नगर के सभी इन्टर व डिग्री कालेज से छात्र छात्राएं अपने कालेज से मतदाता जागरूकता रैली लेकर बैनर के साथ मुख्य कार्यक्रम स्थल टी डी इन्टर कालेज पहुंचेगे, जहाँ पर मतदाता जागरूकता विषय पर रंगोली, मेहंदी व पोस्टर स्लोगन प्रतियोगिता आयोजित होगी, तथा विजेताओं व उत्कृष्ट कार्य करने वाले बीएलओ को प्रशस्ति पत्र प्रदान कर सम्मानित किया जायेगा। उन्होंने सभी लोगों से अपील किया कि निर्वाचन आयोग की मंशा नुसार राष्ट्रीय मतदाता दिवस पूर्ण मनोयोग एंवम हर्ष उल्लास के साथ मनाया जाय। मीटिंग में सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी बृजेश चतुर्वेदी, जिला स्वीप कोआर्डिनेटर सैय्यद मोहम्मद मुस्तफा, सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस ने प्रताड़ना व महिला को जलाने के आरोप में सात पर दर्ज किया केस

गोरखपुर, (संवाददाता)। मोतीराम अड्डा में महिला को जलाने और प्रताड़ना के मामले में पुलिस ने पति समेत ससुराल के सात लोगों पर केस दर्ज कर लिया है। महिला के पिता पिपराइच बजरंग नगर निवासी रामजी विश्वकर्मा ने झंगहा थाने में तहरीर दी थी। पुलिस पति शैलेश विश्वकर्मा, उसके पिता हरि नारायण समेत ससुराल के अन्य सदस्यों पर केस दर्ज कर जांच कर रही है। रामजी विश्वकर्मा ने झंगहा पुलिस को तहरीर देकर बताया कि पुत्री शिल्पी विश्वकर्मा की शादी दिसंबर 2015 में हरि नारायण विश्वकर्मा के पुत्र शैलेश विश्वकर्मा के साथ हुई थी। यह लोग गोवर्धन टोला मोती राम अड्डा थाना झंगहा के निवासी हैं। पूरा परिवार छह वर्षों से पुत्री को प्रताड़ित करते आ रहे हैं। 12 जनवरी शाम 7रू30 बजे पुत्री को ससुरल वालों परिवार ने जला दिया और मोती राम अड्डा के एक अस्पताल में पति ने भर्ती करा दिया। गांव के ही एक व्यक्ति से इसकी जानकारी हुई। इसके बाद घटना की सूचना 112 पर दी।

जगह-जगह हुए भंडारे, लोगों ने ग्रहण किया प्रसाद

गोरखपुर, (संवाददाता)। मकर संक्रांति पर शहर में जगह–जगह समाजसेवियों और विभिन्न संगठनों ने खिचड़ी प्रसाद का वितरण किया। वहीं अनेक मंदिरों पर सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। ट्रांसपोर्टनगर स्थित अघोर पीठ में मंगलवार को मकर संक्रांति का पर्व बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। सुबह से ही पीठ में दूर दराज से भक्तों का आगमन शुरू हो गया। दोपहर 12 बजे से अवधूत छबीले राम ने महाप्रभु को भोग निवेदित किया। उसके बाद आश्रम में आए श्रद्धालुओं को अपने हाथों से खिचड़ी व दही वितरित कर ग्रहण करवाया। पीठ प्रमुख ने कहा कि हम सभी को मिलकर मकर संक्रांति मनानी चाहिए। इस अवसर पर पीठ के उपाध्यक्ष डॉ. रूप कुमार बनर्जी ने बताया कि हर साल पीठ पर खिचड़ी धूमधाम से मनाई जाती है। गुरु गोरक्षनाथ वृद्धाश्रम छपिया नौसड़ में दोपहर में संगीतमय सुंदर कांड पाठ का आयोजन किया गया। असुरन स्थित विष्णु मंदिर पर भगवान विष्णु को नए वस्त्र पहना कर विशेष पूजा–अर्चना आरती व भोग लगाया गया। गोरखनाथ मंदिर में श्री श्याम प्रभु एवं राणी सती दादी ट्रस्ट की ओर से भंडारे का आयोजन किया गया था। जिसमें दूर–दराज से आए श्रद्धालुओं ने बाबा गोरक्षनाथ की को खिचड़ी चढ़ाने के बाद प्रसाद ग्रहण किया। प्रयास एक परिवर्तन संस्था की ओर से तरंग के पास भंडारा लगाया गया। इसके साथ ही गोरक्षनाथ रोड पर विभिन्न संगठनों ने प्रसाद वितरण किया। शाहपुर स्थित कालीमंदिर पर भी खिचड़ी का वितरण किया गया। इस्कॉन गोरखपुर द्वारा गीता दान महायज्ञ का आयोजन मंगलवार को तारामंडल में किया गया। इसमें श्रीमद्भगवद्गीता की दिव्य प्रतियों की झांकियों ने सभी को आकर्षित किया। गीता के अध्यायों के पारंपरिक उच्चारण एवं हरे कृष्ण महामंत्र के साथ यज्ञ प्रारंभ हुआ। रिषभ पांडेय ने बताया कि संपूर्ण विश्व से इस्कॉन के द्वारा महाकुंभ 2025 में निशुल्क साधु संतों एवं श्रद्धालु गानों को श्रीमद्भगवद्गीता वितरित की जाएगी। अंत में मकर संक्रांति विशेष खिचड़ी प्रसाद सभी भक्तों को वितरित किया गया। मकर संक्रांति के अवसर पर हिंदू सुरक्षा सेवा ट्रस्ट गोरखपुर महानगर के कार्यकर्ताओं ने गोरखनाथ रोड पर कैंप लगाकर श्रद्धालुओं को प्रसाद के रूप में खिचड़ी एवं चाय वितरण किया। प्रसाद वितरण कार्यक्रम में महानगर अध्यक्ष जितेंद्र वर्मा पल्लू, महामंत्री सुधीर यादव सहित महानगर के कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

खराब मौसम के चलते कोलकाता और दिल्ली की उड़ान निरस्त

गोरखपुर, (संवाददाता)। खराब मौसम की वजह से गोरखपुर एयरपोर्ट पर बुधवार को कोलकाता और दिल्ली की उड़ान निरस्त करनी पड़ी। वहीं एयरपोर्ट पर तीन फ्लाइटों का देरी से आगमन हुआ। इंडिगो एयरलाइंस को दिल्ली और कोलकाता में खराब मौसम को देखते हुए दिन में ही उड़ान निरस्त करनी पड़ी। एयरलाइंस ने यात्रियों के मोबाइल पर चार घंटे पहले ही उड़ान निरस्त होने का मैसेज भेज दिया गया। इससे यात्रियों का ज्यादा दौड़ भाग नहीं करनी पड़ी। एयरपोर्ट निदेशक आरके पराशर ने बताया है कि मौसम खराब होने की वजह से इंडिगो की दिल्ली जाने वाली फ्लाइट 1:31 घंटे देर से उड़ान भरी। देर से आने की वजह से दोपहर में 02:21 बजे यह फ्लाइट उड़ान भरी। स्पाइस जेट की दिल्ली जाने वाली फ्लाइट तीन घंटे 42 मिनट देर से 04:47 बजे उड़ान भर सकी। इसी तरह इंडिगो की मुंबई जाने वाली फ्लाइट 21 मिनट देर से 06:35 बजे उड़ान भरी। फ्लाइट देर से आने की वजह से एयरपोर्ट पर यात्रियों को देर तक इंतजार करना पड़ा।

यूपी के इस जिले में तड़तड़ाई गोलियां, एक बदमाश घायल

वाराणसी, (संवाददाता)। यूपी के मऊ जिलें में पुलिस और एसओजी की टीम की गुरुवार की भोर में बदमाशों के साथ मुठभेड़ हो गई। एक बदमाश के पैर में गोली लगने से वह घायल हो गया। उसे सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जहां से जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। बदमाश की हालत गंभीर बताई जा रही है। बदमाश के साथ पुलिस ने तीन महिलाओं को भी गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार सीताराम के खिलाफ कानपुर और फतेहपुर में कई मुकदमें दर्ज हैं। जानकारी के अनुसार, पिछले दिनों सर्राफा की दुकान में हुई लाखों की चोरी के मामले में बदमाश फरार चल रहा था। गुरुवार को भी वह किसी घटना को अंजाम देने जा रहा था। बजरिए मुखबिर एसओजी और घोसी थाने की पुलिस को देख बदमाश फायरिंग करने लगा। उसके साथ तीन महिलाएं भी थीं। बीते 15 जनवरी को अभियुक्त राजवीर सिंह उर्फ लेखरा पुत्र हरिपाल निवासी सलारपुर भंगेर थाना सेक्टर 39 (गौतमबुद्ध नगर), मुकेश पुत्र हरिपाल निवासी धनपरा कादर चौक बंदायू, विमला पत्नी राजेश निवासी सिंगलामऊ थाना फंफूद (औरैया) और मुन्नी परिहार पत्नी फंटूस निवासी बघार मनिहारी कटिहार (बिहार) के कब्जे से छह किलो 900 ग्राम चांदी की ज्वेलरी, एक तमंचा और चार जिंदा कारतूस 12 बोर, एक तमंचा 315 बोर व चार जिंदा कारतूस, तीन साईकिल व एक हजार रुपये बरामद किया गया है। मौके से सीताराम भाग हो गया था। पूछताछ के दौरान बताया गया था कि हम सब और उसका साथी उपरोक्त सीताराम के साथ मिलकर 10 जनवरी की रात थाना घोसी अंतर्गत अमिला में खुशबू ज्वेलर्स की दुकान में और छह जनवरी की रात्रि थाना रानीपुर के खुरहट में चोरी किए थे। सीताराम पुत्र स्व. शंकर निवासी बनारसीदास वार्ड नं0–3 थाना कोतवाली (औरैया), राजवीर सिंह उर्फ लेखरा पुत्र हरिपाल निवासी सलारपुर भंगेर थाना सेक्टर 39 (गौतमबुद्ध नगर), मुकेश पुत्र हरिपाल निवासी धनपरा कादर चौक (बंदायू), विमला पत्नी राजेश निवासी सिंगलामऊ थाना फंफूद (औरैया) और मुन्नी परिहार पत्नी फंटूस निवासी बघार मनिहारी कटिहा।

अखिलेश और सांसद रावण को हिन्दूवादी नेता ने दी सलाह

वाराणसी, (संवाददाता)। सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के खिलाफ विश्व हिन्दू सेना और अखिल भारत हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अरुण पाठक ने भी नाराजगी व्यक्त की है।

, उन्होंने सोशल मीडिया एक्स पर पोस्ट कर अखिलेश को ओछी राजनीति का हिस्सा बताया है। हिन्दूवादी नेता ने लिखा है कि विश्व की सबसे प्राचीन परंपरा और सनातन धर्म के खास आयोजन महाकुंभ को लेकर अखिलेश यादव ने निमंत्रण को अस्वीकार किया था। उन्हें समझना चाहिए कि ऐसे धार्मिक आयोजनों में खूद आगे बढ़कर शामिल होना चाहिए। उसके बाद वे हरिद्वार पहुंच गंगा स्नान कर खुद को सनातनी दिखने का दावा कर रहे हैं। ये कैसी दोहरी नीति है? कहा कि अखिलेश और उनके पिता मुलायम सिंह यादव जन्मजात सनातनी हैं।

यह बात सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष को समझ लेनी चाहिए। हिन्दुत्व के खिलाफ कुछ भी बोलने से पहले हजार बार सोच लेना चाहिए। राजनीति में इसका खास ध्यान रखा जाता है। अरुण पाठक ने कहा कि सांसद चंद्रशेखर सिंह श्रावणश ने भी महाकुंभ को लेकर विवादित बयान दिया। बाबा साहेब आंबडेकर ने यह जिम्मेदारी किसको दी है कि सनातन के खिलाफ बोलते रहो। बल्कि तमाम सनातनियों को एकजुट होकर रावण का विरोध करना चाहिए। किंतु अंबेडकर के मुद्दे पर एक जुट हो गए सारे विपक्षी महाकुंभ के अपमान पे क्यों मौन हैं?

युवक से 5.45 लाख की ठगी, शेयर मार्केट में निवेश का दिया था झांसा

वाराणसी, (संवाददाता)। शेयर मार्केट में निवेश का झांसा देकर 5.45 लाख रुपये की साइबर ठगी हुई। पीड़ित ने बुधवार को साइबर क्राइम थाने में साइबर धोखाधड़ी का केस दर्ज कराया। सिंधौरा थाने क्षेत्र के गरथम निवासी संजय कुमार मौर्य ने बताया कि सितंबर 2024 में व्हाट्सएप के जरिये उसका संपर्क कथित शेयर ब्रोकर आकाश पवार से हुआ। आकाश ने कंपनी को सेबी से रजिस्टर्ड बताया। कहा कि मेरी एक्सपर्ट टीम शेयर मार्केट में पैसा लगाती है और बदले में लाभ का 15 प्रतिशत सर्विस चार्ज लेगी। लाभ न होने पर कोई चार्ज नहीं लेगी। यकीन दिलाने के लिए उसने अपना पैन कार्ड नंबर भेजा। कुछ दिनों बाद उसकी बातों पर विश्वास कर अनिशा एप डाउनलोड किया। चार बार में 1,25,000 रुपये उसके बताए गए बैंक खाते में भेजा और अनिशा एप पर ही शेयर की खरीद और बिक्री करने लगा। अधिक लाभ का विश्वास दिलाकर सुरक्षा डाइग्नोस्टिक नामक आईपीओ बुक करा दी। पीड़ित संजय ने साइबर क्राइम पुलिस को बताया कि दो दिन बाद पवार ने कहा कि आपको आईपीओ की उम्मीद से अधिक शेयर मिल गया है, इसलिए किसी भी तरह से 3,90,000 रुपये और जमा करने होंगे। एक दिन बाद स्टॉक में लिस्टिंग के बाद पैसा निकाल लेना। 390000 रुपये खाते में भेजने के कुछ दिन बाद जब पैसे निकालने की कोशिश की गई तो कहा कि अभी पैसे निकालने पर 30 प्रतिशत चार्ज देना पड़ेगा। इस पर 30,000 रुपये उसके दिए खाते में जमा कर दिया। इसी तरह जब भी रुपये निकालने का प्रयास करता तो आकाश झांसा देकर रोकता रहा।

ऑनलाइन गेम में रुपये गंवाए, गढ़ी अपहरण और लूट की कहानी

गोरखपुर, (संवाददाता)। हाईस्कूल के छात्र ने ऑनलाइन गेम में रुपये हारने के बाद अपहरण और लूट की झूठी कहानी गढ़ी थी। सहजनवां थाने की पुलिस से अपहरण कर बस्ती ले जाने और 13 हजार रुपये ग्राहक सेवा केंद्र से निकलवाकर लेने का आरोप लगाया था। पुलिस ने बैंक खाते की जांच शुरू की तो उसकी पोल खुल गई। इसके बाद शर्मिंदा होकर छात्र ने हकीकत बयां कर दी। एसपी उत्तरी जितेंद्र श्रीवास्तव ने बताया कि सहजनवा क्षेत्र के माड़र गांव के रहने वाले हाईस्कूल के छात्र की बहन गर्भवती है। उसके इलाज के लिए छात्र के खाते में मुंबई में काम करने वाले पिता ने नौ हजार और बहनोई ने चार हजार रुपये भेजे थे। 12 जनवरी को छात्र ऑनलाइन विंजो गेम में 12 हजार रुपये हार गया। इसके बाद वह 14 जनवरी को संतकबीरनगर गया। वहां पर चार सौ रुपये की चाट खाई। इसके बाद बस में सवार होकर बस्ती गया। छात्र ने बताया कि वहां पर उसकी जेब से बचे तीन सौ रुपये गिर गए। इसके बाद लोगों से मदद मांग कर बस से सहजनवां आया और अपहरण और लूट की कहानी बताई। छात्र की बहन की शादी चिलुआताल थाना क्षेत्र के मुहम्मदपुर माफी के खुजरहवा टोला में हुई है। प्रसव का समय नजदीक होने के कारण बहन मायके में ही रह रही है। प्रसव के लिए बहनोई और पिता ने अमन के खाते में ऑनलाइन रुपये भेजे थे। सहजनवां क्षेत्र के माड़र गांव निवासी रामलक्षन मुंबई में रहकर पेंट पॉलिश का काम करते हैं। उनका 16 वर्षीय बेटा सहजनवां कस्बे के एक इंटर कॉलेज में हाईस्कूल का छात्र है। मंगलवार को छात्र ने पुलिस को बताया था कि सोमवार को छुट्टी की जानकारी नहीं होने के कारण साइकिल से विद्यालय पहुंचा। विद्यालय बंद होने के कारण वहां खेलने के बाद साइकिल से हाईवे पर आया। इसी दौरान एक बुलेट से दो व्यक्ति आए और उससे स्कूल के बारे में पूछताछ की। फिर जबरन बुलेट पर बैठा लिया। बुलेट सवार बस्ती ले गए और वहां ग्राहक सेवा केंद्र पर जबरन अंगूठा लगवाकर 12 हजार रुपये निकलवा लिए और उसे बस्ती में ही छोड़कर भाग गए।

भाजपा प्रत्याशी ने दाखिल किया नामांकन, प्रदेश अध्यक्ष सहित कई मंत्री रहे मौजूद

लखनऊ, (संवाददाता)। मिल्कीपुर उपचुनाव के लिए भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी चंद्रभानु पासवान ने बृहस्पतिवार को नामांकन पत्र दाखिल कर दिया है। पार्टी प्रत्याशी ने पहले दो सेट में पूर्व सांसद लल्लू सिंह के साथ जाकर नामांकन दाखिल किया। इसके बाद दो सेट में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह के साथ नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान मिल्कीपुर उपचुनाव की जिम्मेदारी संभाल रहे प्रदेश सरकार के सातों मंत्री, भाजपा के वरिष्ठ नेता और पदाधिकारी मौजूद रहे। इस मौके पर यूपी सरकार के मंत्री सूर्य प्रताप शाही ने दावा किया है कि उपचुनाव में भाजपा जीत के सारे रिकॉर्ड तोड़ देगी और कमल खिलेगा। उन्होंने कहा कि सपा और कांग्रेस संविधान के मुद्दे पर पूरी तरह एक्सपोज हो चुकी हैं। इन लोगों ने हमेशा ही कानून और संविधान का उल्लंघन किया है। कांग्रेस ने देश पर आपातकाल थोपा। यह दुर्भाग्य है कि जिस कांग्रेस ने मुलायम सिंह यादव को जेल में डाला सपा उन्हीं का समर्थन कर रही है। ये लोग अब अफवाह पैदा कर रहे हैं अफवाह एक बार चलती है बार–बार नहीं चलती है। ये लोग आम जनता के हकों पर डाका डालते रहे हैं। सरकारी खजानों पर डाका डाला अब जनता इनके झांसे में नहीं आएगी। स्वतंत्र देव बोले– जनता परिवारवाद को नकार देगी यूपी सरकार के मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि सपा ने नेता पुत्र को ही टिकट दिया है। जनता वंशवाद को नकार देगी और मिल्कीपुर में भाजपा एकतरफा जीत दर्ज करेगी। डबल इंजन की सरकार में सभी को विकास योजनाओं का लाभ मिल रहा है। गरीबों को पक्का घर, शौचालय, राशन और पक्की सड़क दी जा रही है। जनता सपा के परिवारवाद को नकार देगी और भाजपा की उपचुनाव में एक तरफा जीत होगी।

मायावती ने यूपी में पुलिस राज होने का लगाया आरोप, कहा- विरोधियों का किया जा रहा दमन

लखनऊ, (संवाददाता)। बसपा सुप्रीमो मायावती ने यूपी में पुलिस राज कायम होने का आरोप लगाया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था के नाम पर दमनकारी नीति अपनाई जा रही है। इसके तहत अधिकतर गरीबों, मजलूमों, बेसहारा और मेहनतकश लोगों को अंधाधुंध गिरफ्तार करके जेलों में कैद किया जा रहा है। जो कि चिंतनीय है। हाल ये है कि सिविल मामलों को भी क्रिमिनल केस की तरह देखा जा रहा है और विरोधियों का दमन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार को कोर्ट की तरह गंभीर और संवेदनशील होकर संविधान ध र्म की जिम्मेदारी निभानी चाहिए। मायावती बृहस्पतिवार को लखनऊ में बसपा कार्यकर्ताओं की बैठक को संबोधित कर रही थीं उन्होंने कहा कि यूपी में सत्ताधारी लोगों के हर जुर्म की अनदेखी की जा रही है। क्या इसी से कानून व्यवस्था में सुध ार होगा? जिलों में प्रशासन व पुलिस का रवैया ज्यादातर मामलों में राजनीतिक, सांप्रदायिक व जातिवादी है। इससे लोगों में ध ारणा बन रही है कि भाजपा की वोट बैंक की राजनीति के लिए पुलिस व प्रशासन का अनुचित इस्तेमाल किया जा रहा है। बैठक में उन्होंने संगठन के कार्यों की समीक्षा की और कार्यकर्ताओं से बसपा को तन, मन और धन से मजबूत करने की अपील की है।

विज्ञापन इसके पहले मायावती ने बुधवार को अपने जन्मदिन पर मीडिया को संबोधित करते हुए कहा कि इंडिया गठबंधन का कोई भविष्य नहीं है। जिस दिन कांग्रेस व भाजपा जैसे जातिवादी दलों के लुभावने वादों वाली राजनीति को जनता भांप जाएगी, तब बसपा फिर से वापसी करेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस व भाजपा जैसे दल बसपा को खत्म करना चाहते हैं। मायावती ने कहा कि दिल्ली में खुद के दम पर चुनाव लड़ रही बसपा इस बार बेहतर प्रदर्शन करेगी। बशर्ते चुनाव में ध ांधली नहीं हो। कांग्रेस, भाजपा व आम आदमी पार्टी के बीच लुभावने वादे व गारंटी आदि देने की होड़ मची है, जबकि सत्ता में रहकर उन्होंने अपना कोई वादा पूरा नहीं किया। दिल्ली में रहने वाले यूपी व बिहार के लोगों के साथ सौतेला व्यवहार किया। इसलिए वहां लोगों को सोच–समझ कर वोट करना होगा।

इंडिया गठबंधन नए सिरे से किया जाएगा स्थापित, लखनऊ में जुट सकते हैं कई पार्टियों के नेता

लखनऊ, (संवाददाता)। देश में मुख्य विपक्षी इंडिया गठबंधन को मजबूत करने की तैयारियां नए सिरे से शुरू की जाएंगी। इसके तहत क्षेत्रीय दलों की भूमिका बढ़ाई जाएगी। गठबंधन की शीघ्र ही दिल्ली में बैठक होगी जिसमें महत्वपूर्ण बिंदुओं पर चर्चा होगी। दरअसल, इंडिया गठबंध न को लेकर समय–समय पर उसके घटक संगठनों के भीतर से ही खिलाफ के स्वर आ रहे हैं। पश्चिम बंगाल की सीएम ममता बनर्जी, जम्मू कश्मीर के सीएम उमर अब्दुल्ला, बिहार की मुख्य विपक्षी पार्टी राजद के नेता तेजस्वी यादव ही गठबंधन की कार्यशैली पर सवाल उठा चुके हैं। गठबंधन के सूत्र बताते हैं कि इन सबके उलट सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने गठबंधन को मजबूत करने की रणनीति बनाई है। सपा ने फॉर्मूला दिया है कि इंडिया गठबंधन में क्षेत्रीय दलों की भूमिका को बढ़ाया जाए। तृणमूल कांग्रेस पहले ही कह चुकी है कि गठबंधन का नेतृत्व ममता बनर्जी

को दिया जाए। सूत्र बताते हैं कि ममता बनर्जी को संयोजक बनाए जाने पर सपा को भी कोई आपत्ति नहीं होगी। इससे पहले राजग में भी दूसरे–तीसरे नंबर के राजनीतिक दलों को यह जिम्मेदारी मिलती रही है। समाजवादी नेता जार्ज फर्नांडीज और शरद यादव भी राजग के संयोजक की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं। इसलिए क्षेत्रीय दलों का मानना है कि इंडिया गठबंधन में भी यह प्रयोग करने में कोई हर्ज नहीं है। कोशिश है कि राज्यों के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस उस राज्य के सबसे बड़े विपक्षी दल के नेतृत्व में काम करे। वहीं, जब भी लोकसभा चुनाव हों तो राष्ट्रीय राजनीति के मद्देनजर सीटों का बंटवारा हो। जाहिर है कि इसमें कांग्रेस का शेयर ज्यादा रहेगा। इंडिया गठबंधन में शामिल सपा सूत्र बताते हैं कि शीघ्र ही गठबंधन की समन्वय समिति की बैठक होगी। इसमें सभी घटक दलों के प्रमुख नेता शामिल होंगे। सभी मुद्दों पर विस्तार से बात होगी। हर बैठक में अगली बैठक की संभावित तिथि व माह की भी घोषणा की जाएगी।

फिर से एक लुक – एक रंग में नजर आएगा हजरतगंज, 200 साल पूरे होने पर कराया गया था सुंदरीकरण

लखनऊ, (संवाददाता)। राजध ानी लखनऊ के प्रमुख बाजार हजरतगंज की इमारतें और दुकानों के बोर्ड करीब 15 साल पहले की तरह ही एक ही लुक और रंग में किए जाएंगे। करीब 20 दिन पहले एलडीए ने हजतरगंज में दुकानों के बाहर लगे अलग–अलग आकार के बोर्डों को हटाने का काम भी किया था। उस समय इसको लेकर हल्का विरोध भी हुआ था। बुधवार को मंडलायुक्त रोशन जैकब ने व्यापारियों के साथ एलडीए में बैठक की। जिसमें व्यापारियों ने भी सुंदरीकरण योजना को लेकर सहमति देने के साथ अपनी समस्याएं भी बताईं। हजरतगंज बाजार के 200 साल पूरे होने पर करीब 15 साल पहले सुंदरीकरण पर काम कराया गया था। उस समय सभी इमारतों को एक रंग में किया गया था। दुकानों के बोर्ड भी एक जैसे ही किए गए थे। बाद में दुकानदारों ने अपने हिसाब से रंग और बोर्ड बदलवा लिए। अब फिर एक बार हजरतगंज को वही लुक देने की तैयारी है। बुधवार को व्यापारियों के साथ हुई बैठक में बाजार के सुंदरीकरण के लिए एलडीए कौन से काम कराएगा, इसकी जानकारी प्रेजेंटेशन के जरिए दी गई। मंडलायुक्त ने बताया कि वर्तमान में इमारतों का जो रंग है, उसमें मामूली बदलाव किया गया है। सुंदरीकरण को लेकर जो नियम बनाए गए हैं, उनके लागू होने से हजरतगंज का हेरिटेज लुक उभर कर आएगा। ये पर्यटकों को आकर्षित करेगा। एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार ने बताया कि वर्तमान में कुछ प्रतिष्ठानों में एक से अधिक और अलग–अलग रंग व आकार के साइनेज बोर्ड लगे हैं। इससे बाजार की सुंदरता खराब हो रही है। उन्होंने व्यापारियों से अपील की कि वह अपने स्तर साइनेज बोर्ड को व्यवस्थित करने का कार्य करें। बेतरतीब ढंग से लगी होर्डिंग्स को हटवाने में प्राध िकरण का सहयोग करें। व्यापारियों ने सहमति जताते हुए अपने स्तर से कार्य कराने की हामी भरी। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने बताया कि हजरतगंज में सुंदरीकरण के तहत रेलिंग, बेंच व बोलार्ड आदि की नये सिरे से पेंटिंग कराई जाएगी। आकर्षक डस्टबिन लगवाए जाएंगे। बैठक में व्यापारियों ने बताया कि मेट्रो के निर्माण के समय सीवेज व ड्रेनेज के कुछ काम रह गए थे। इसके अलावा तारों को अंडरग्राउंड करने व साफ–सफाई की समस्या है, जिसे जनहित में ठीक कराने की जरूरत है। मंडलायुक्त ने जलकल व लेसा के अधिकारियों को समस्या दूर कराने के निर्देश दिए। उन्होंने व्यापारियों को बताया कि इसी महीने से रामकी कंपनी द्वारा नयी मशीनरी व स्टाफ के माध्यम से साफ–सफाई की व्यवस्था शुरू करा दी जाएगी।

संक्षिप्त समाचार

26 जनवरी को शहर में 3000 से ज्यादा शादियां

लखनऊ, (संवाददाता)। खरमास खत्म हो चुका है और बृहस्पतिवार से सहालग शुरू हो रहा है। शहर में बैंक्वेट हॉल, रिसॉर्ट, कम्युनिटी सेंटर, पार्कों से लेकर होटलों व अन्य शादी समारोह स्थलों की बुकिंग हो चुकी है और वहां तैयारियां अंतिम चरण में हैं। वैसे तो इस बार भी फरवरी में ही सबसे ज्यादा सहालग है, लेकिन जनवरी में सबसे ज्यादा शादियां 26 तारीख को होंगी। इस दिन शहर में करीब तीन हजार शादियां तय हैं। इसी तरह 28 जनवरी को तकरीबन दो हजार शादियां होंगी। फरवरी में दो तारीख को सबसे तेज सहालग है। इस दिन तीन से चार हजार शादियां होने का अनुमान है। उत्तर प्रदेश टेंट कैटर्स एंड डेकोरेशन वेलफेयर एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष विजय कुमार ने बताया कि जनवरी से लेकर मार्च तक शहर में तकरीबन 27 हजार शादियों का अनुमान है। उन्होंने बताया कि पिछले साल फरवरी में ज्यादा सहालग थीं लेकिन इस बार राहत है, क्योंकि इससे पहले गर्मियों में ठीक–ठाक सहालग मिल गया था। फिर भी फरवरी में तकरीबन 15–17 हजार शादियों का अनुमान इस बार भी है। वहीं, जनवरी में करीब सात से आठ हजार शादियों का अनुमान है। मार्च में सहालग कम हैं, लेकिन तकरीबन चार हजार शादियां होनी हैं। एक समय था जब शादियों के आयोजन गेस्ट हाउस में सबसे ज्यादा होते थे। धीरे–धीरे बैंक्वेट हॉल, फिर कम्युनिटी सेंटर, रिसॉर्ट की बुकिंग शुरू हो गई। अब होटलों और पार्कों में शादियों का चलन तेजी से बढ़ा है। शहर में इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान समेत अन्य प्रतिष्ठानों की भी शादियों के लिए बुकिंग तेजी से हो रही है। इस साल अकेले इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में ही एक हजार से ज्यादा बुकिंग अभी तक हो चुकी है। शहर में करीब पांच सौ होटल ऐसे हैं, जहां शादी समारोह संपन्न हो रहे हैं।

पूर्व सैनिकों का सम्मान, संगीत से सजी शाम

लखनऊ, (संवाददाता)। पर्वतीय महापरिषद की ओर से चल रहे उत्तरायणी कौथिग के दूसरे दिन कई प्रतियोगिताएं हुईं। कवि सम्मेलन और सांस्कृतिक आयोजनों के दौरान जमकर पहाड़ी रंग बरसा। शाम को पूर्व सैनिकों के लिए सम्मान समारोह का भी आयोजन किया गया। मुख्य अतिथि मेजर जनरल गोपाल कृष्ण थपलियाल ने दीप प्रज्ज्वलित कर सायंकालीन सत्र का उद्घाटन किया। सेना दिवस के अवसर पर मेले में पूर्व सैनिकों का सम्मान किया गया। इस अवसर पर वीरचंद्र सिंह गढ़वाली सम्मान अमर शहीद नैन सिंह नायक को दिया गया। वे 1965 में भारत–पाक युद्ध में शहीद हुए थे। उस समय उनकी पत्नी गर्भवती थीं। यह सम्मान उनकी पुत्रवधू चंपा मेहरा ने ग्रहण किया। सम्मान स्वरूप उन्हें प्रशस्ति पत्र, अंगवस्त्र व पुष्पगुच्छ भेंट किया गया। इस अवसर पर मुख्य संयोजक टीएस मनराल, संयोजक केएन चंदोला, अध यक्ष गणेश चंद्र जोशी व महासचिव महेंद्र सिंह रावत मौजूद रहे। इससे पूर्व दिन के आयोजनों की शुरुआत कवि सम्मेलन से हुई। कौस्तुभ आनंद चंदोला के संचालन में हुए कवि सम्मेलन में जर्मनी से आईं कवयित्री राधा बिष्ट, डॉ. पूर्णिमा पांडेय, महेश चंद्र सकलानी, भुवन पंत, चेतन कांडपाल, नारायण पाठक, दीपा सनवाल, राधा बिष्ट, मनमोहन बाराकोटी, हरीश लोहमी, गोपाल जोशी, महेंद्र पंत, जीसी बहुगुणा और भुवन आदि काव्यपाठ किया। इसके बाद एकल गायन प्रतियोगिता में तीन से आठ वर्ष आयु वर्ग के प्रतिभागियों में अनायशा जैन प्रथम, दीवान आनंद द्वितीय व आराधना शर्मा तृतीय स्थान पर रहीं।

संक्षिप्त समाचार

खुलते ही फिर बंद हुए सरकारी स्कूल, निजी खुले रहेंगे

लखनऊ, (संवाददाता)। शीतकालीन अवकाश के बाद बुधवार को कक्षा एक से आठ तक सभी सरकारी व निजी स्कूल खुल गए, मगर शाम को बेसिक शिक्षा निदेशक के आदेश के बाद 16 और 17 जनवरी तक एक से आठ कक्षा तक के सभी स्कूल फिर बंद कर दिए गए। इध ार, बुधवार को स्कूल खुले तो अधिकांश निजी स्कूलों में बच्चों को अभिभावक खुद छोड़ने पहुंचे। सरकारी स्कूलों में पहले दिन 55 फीसदी बच्चों की उपस्थिति रही। शिक्षकों ने बताया कि पहले दिन बच्चे सुबह 10 बजे तक स्कूल आते रहे। हालांकि, समय सुबह नौ बजे से दोपहर तीन बजे तक है। 31 दिसंबर से 14 जनवरी तक शीतकालीन अवकाश चल रहा था। सर्दी को देखते हुए उम्मीद थी कि छुट्टियों का समय बढ़ जाएगा, लेकिन ऐसा नहीं हुआ। सेंट फ्रांसिस स्कूल में बच्चों को छोड़ने पहुंचे अभिभावकों ने कहा कि अभी सुबह स्कूल खुलने का समय बढ़ाया जाना चाहिए। बीएसए राम प्रवेश ने बताया कि स्कूलों से मिली रिपोर्ट के आधार पर अवकाश के बाद पहले दिन 55 फीसदी बच्चों की उपस्थिति सरकारी स्कूलों में रही है। छुट्टी को लेकर जिलाधिकारी के हस्ताक्षर का फर्जी पत्र सोशल मीडिया में वायरल हो गया। इससे अभिभावक व स्कूल प्रबंधक असमंजस में आ गए। दरअसल, ये पत्र 2024 का था, जिसे सत्र एडिट कर वायरल किया गया था। अभिभावक अंजू वार्ष्णेय, ममता त्रिपाठी ने कहा कि उन्हें पत्र सोशल मीडिया से मिला, जिसमें दो दिन अवकाश बढ़ाने का जिक्र था। इसलिए निश्चिंत थे, लेकिन बाद में पता चला कि स्कूल खुला है तो बच्चों को भेजना पड़ा।

प्रॉपर्टी डीलर ने चोरी से कटवा दिए आम के पेड़

लखनऊ, (संवाददाता)। दुबग्गा में प्रॉपर्टी डीलर ने बिना पैमाइश व अनुमति के रातों–रात चोरी से आम के पेड़ कटवा दिए। किसान ने पुलिस चौकी पर शिकायत की तो मामले को टरकाने की कोशिश की गई। आरोप है कि चौकी प्रभारी ने उल्टा उस पर ही मुकदमा दर्ज करने की धमकी देकर भगा दिया। वन विभाग ने जांच कर कार्रवाई करने की बात कही है। लालाजी टंडन वार्ड के लालनगर खेड़ा निवासी किसान विनोद कुमार का गांव में एक बीघे में आम का बाग है। बताया कि उनके भाई ने अपना आधा हिस्सा प्रॉपर्टी डीलर सुजीत कुमार व सैयद आबिद हुसैन को बेचा है। आरोप लगाया कि प्रॉपर्टी डीलर ने मनमाने तरीके से बिना अनुमति के मंगलवार रात आम के पेड़ कटवाकर सड़क पर डाल दिए। यह आरोप भी लगाया कि चौकी प्रभारी तेज कुमार शुक्ला ने कार्रवाई करने के बजाय उन पर ही मुकदमा लिखने की धमकी देकर भगा दिया। दुबग्गा वन रेंज की क्षेत्रीय वन अधिकारी सोनम दीक्षित ने बताया कि लालनगर खेड़ा गांव में आम के पेड़ कटवाने की विभागीय अनुमति नहीं दी गई थी। जांच करवाकर कार्रवाई की जाएगी। इंस्पेक्टर अभिनव वर्मा ने बताया कि विनोद कुमार को चौकी से भागने की बात गलत है।

चलती कार में लगी आग, तीनों सवार सुरक्षित

लखनऊ, (संवाददाता)। बंथरा इलाके में बुधवार रात चलती लग्जरी कार में अचानक आग लग गई। कार सवार तीन सुरक्षित बाहर निकले और लोगों की मदद से आग पर काबू पाया पर कार के आगे का हिस्सा जल गया। कानपुर नगर के केशव नगर, नियर फूल मंडी निवासी राजकुमार दुबे, उमंग दुबे और अजीत दुबे बुधवार रात लग्जरी कार (यूपी 78 सीयू 5643) से अमेठी से घर जा रहे थे। कार को उमंग चला रहा था। रात करीब 8:30 बजे वह लोग जब लखनऊ–कानपुर रोड पर बंथरा सई नदी स्थित बनी पुल पर पहुंचे तभी कार के इंजन से अचानक तेज धुआं निकलने लगा।

अनियंत्रित होकर रेलवे पटरी के गाटर से टकराई तेज रफ्तार कार

लखनऊ, (संवाददाता)। बहराइच के नवाबगंज थाना क्षेत्र में रिश्तेदार के घर आयोजित कार्यक्रम से लौट रहे परिवार की कार अनियंत्रित होकर रेलवे पटरी निर्माण को रखे गाटर से टकरा गई। हादसे में कार सवार बुजुर्ग की मौत हो गई। वहीं 7 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जिन्हें इलाज के लिए मेडिकल कालेज में भर्ती करवाया गया है। फखरपुर थाना क्षेत्र के एकघरवा निवासी मुनेश्वर प्रसाद मिश्रा (80) बुधवार को परिवार के साथ शीतलगांव गए थे। जहां से रात को कार से वापस आ रहे थे। इस दौरान शंकरपुर – मटेरा मार्ग पर मटेरा रेलवे स्टेशन के पास कार अनियंत्रित होकर पटरी निर्माण को रखे गाटर से टकरा गई। हादसा इतना जोरदार था कि कार पलट कर गाटर पर चढ़ गई। हादसे में कार सवार मुनेश्वर, चालक नफीस, रामेंद्र पाठक, मधु, मीना, अनीता, काजल और दो बच्चे लड्डू व विराट गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की सूचना पर पहुंची मटेरा पुलिस ने सभी को इलाज के लिए मेडिकल कालेज बहराइच पहुंचाया। जहां मुनेश्वर प्रसाद मिश्रा की मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल अनीता को चिकित्सकों ने इलाज के बाद लखनऊ रेफर कर दिया।

मौत बनकर सड़क पर दौड़ी कार, नदवा कॉलेज के नाजिर की मौत

लखनऊ, (संवाददाता)। लखनऊ–प्रयागराज हाईवे पर प्रगतिपुरम के पास तेज रफ्तार कार मौत बनकर सड़क पर दौड़ी। इस दौरान कार की चपेट में आकर नदुवा कॉलेज लखनऊ के नाजिर की मौत हो गई, वहीं उनके साथी गंभीर रूप से घायल हो गए। साथ ही कार चालक को पकड़ने के प्रयास में भाजपा के प्रदेश मंत्री भी घायल हो गए। जो प्रयागराज अपने साथियों के साथ महाकुंभ जा रहे थे। हादसे से सड़क पर अफरातफरी मच गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने कार को कब्जे में किया, वहीं कार चालक भाग गया। बुधवार रात करीब 8रू30 बजे एक कार चालक ने तेज रफ्तार में कार हाईवे पर दौड़ा दी। नतीजा यह रहा कि प्रगतिपुरम के पास कार अनियंत्रित हो गई और कई लोगों को कार ने टक्कर मारी। लोग चीख पुकार करने लगे। इसी बीच सड़क पर बाइक रोककर मफसर ठीक रहे लखनऊ जा रहे नदुवा कॉलेज लखनऊ के नाजिर मौलाना जफर मसूद हसनी की बाइक को भी कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में मौलाना जफर मसूद की मौके पर मौत हो गई तथा उनके स्टॉफ के साथी अब्दुल कादिर घायल हो गए। इसी बीच अपने साथियों के साथ प्रयागराज जा रहे भाजपा के प्रदेश मंत्री अभिजात मिश्रा की नजर जब हादसे पर पड़ी तो उन्होंने कार रोकी और आरोपी कार चालक को पकड़कर बाहर निकालने का प्रयास किया तो कार चालक ने उन्हें भी टक्कर मार दी। इससे वह भी घायल हो गए। इसके बाद कार चालक कुछ दूर पर वाहन छोड़कर भाग गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और गंभीर रूप से घायल अब्दुल कादिर को अस्पताल में भर्ती कराया। वहीं भाजपा प्रदेश मंत्री और उनके साथी नवनीत तिवारी और प्रिंस के साथ जिला अस्पताल पहुंचे जहां इलाज कराया और फिर प्रयागराज के लिए निकल गए।

परिवार से मिलने आए थे मौलाना

मौलाना जफर मसूद हकसी का परिवार शहर के तकिया मोहल्ले में रहता है और हर सप्ताह वह परिवार से मिलने लखनऊ से आते हैं। बुध वार को भी वह घर आए थे और रात को वापस अपने स्टॉफ के साथी अब्दुल कादिर के साथ लखनऊ लौट रहे थे। मौलाना जफर मसूद के तीन बेटे हैं। पिता की मौत की खबर सुनकर परिवार में कोहराम मच गया। मौलाना के बड़े बेटे खलील, अमीन और अब्दुल हाई हैं। तीनों ने बताया कि उनके वालिद लखनऊ में ही नदुवा कॉलेज के नाजिर थे। बताया कि मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड के पूर्व अध यक्ष सैय्यद राबे हसनी नदवी के वह भतीजे के साथ दामाद थे।

बीबीएयू की असुविधा का खामियाजा भुगत रहे छात्र

लखनऊ, (संवाददाता)। बाबासाहेब भीमराव आंबेडकर केंद्रीय विश्वविद्यालय (बीबीएयू) में असुविध ा का खामियाजा अमेठी कैंपस के छात्र–छात्राओं को भुगतना पड़ रहा है। छात्रवृत्ति के लिए ऑनलाइन आवेदन करने के बाद उन्हें हॉर्डकॉपी जमा करने बीबीएयू परिसर लखनऊ आना पड़ रहा है। अमेठी कैंपस में 100 से अधिक ऐसे विद्यार्थी हैं, जो जिन्होंने ये समस्या बताई है। उनका कहना है कि आवदेन जब ऑनलाइन हो रहे हैं तो हार्डकॉपी भी उनके ही कैंपस में ली जानी चाहिए, लेकिन उन्हें विश्वविद्यालय कैंपस बुलाया जा रहा है। आने–जाने में भी किराया–भाड़ा अलग से खर्च हो रहा है। छात्रों ने कुलपति प्रो. एसके द्विवेदी को ज्ञापन सौंपकर कैंपस में ही कैंप लगाकर आवेदन फॉर्म का सत्यापन कराने की मांग की है। इसे लेकर बुधवार को विश्वविद्यालय पहुंचे 50 से अधिक विद्यार्थियों ने कुलपति से मुलाकात की। छात्र वीरेंद्र कुमार सिंह, अखिलेश शुक्ला, प्रवीण, वेद प्रकाश, गौरव वर्मा, महेंद्र कुमार ने बताया कि बुधवार को 50 से अधिक छात्र ठंड में बीबीएयू लखनऊ पहुंचे और घंटों फॉर्म जमा करने के लिए भटकते रहे, मगर देर शाम तक किसी का आवेदन नहीं लिया गया। छात्रों ने सैटेलाइट कैंपस छात्रवृत्ति नोडल अधिकारी पर न कार्य करने के आरोप लगाए। कहा कि उन्होंने कोई जानकारी नहीं दी। वह छात्रों की समस्या भी नहीं सुनते। उधर छात्र शाम तक एससी–एसटी सेल के बाहर लाइन लगाकर खड़े रहे। छात्रों ने इस संबंध में अमेठी सैटेलाइट कैंपस के निदेशक से भी मुलाकात की।

अब तक नहीं हो सका प्रियंका का पोस्टमार्टम, दिन भर कराते रहे परिजनों को इंतजार

लखनऊ, (संवाददाता)। स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही के चलते बुधवार को दो शवों का पोस्टमार्टम नहीं हो सका। पूरे दिन परिजन, शव मिलने के इंतजार में पोस्टमार्टम हाउस के बाहर बैठे रहे। बार–बार उन्हें भीतर बुलाया जाता और फिर कुछ जानकारी लेने के बाद बाहर जाने के लिए कह दिया गया। थोड़ी देर में पोस्टमार्टम होने की बात कहकर कर्मियों ने पूरा दिन निकाल दिया। अंत में देर शाम सात बजे पोस्टमार्टम होने की जानकारी दी गई, लेकिन आधे घंटे बाद कर्मचारी बृहस्पतिवार को आने की बात कहकर चले गए। हैरानी की बात ये है कि दोनों शव न केवल हत्या जैसे संगीन मामले से जुड़े हैं, बल्कि कई दिन पुराने हैं। पहला मामला थाईलैंड के होटल में संदिग्ध हालात में हुई प्रियंका शर्मा की मौत से जुड़ा है। आठ जनवरी तड़के प्रियंका की मौत के बाद बुधवार सुबह शव केजीएमयू के पोस्टमार्टम हाउस में भिजवाया गया था। एक सप्ताह पुराना शव होने के बाद भी स्वास्थ्य विभाग ने संवेदनशीलता नहीं दिखाई और दिन भर टालमटोल करते रहे। दूसरा मामला सुपारी लेकर दूसरे की जगह ई रिक्शा चालक रिजवान की हत्या का है। बुधवार सुबह रिजवान का शव पेपर मिल कॉलोनी स्थित कब्रिस्तान जाकर पुलिस ने कब्र से शव निकलवाया। रिजवान की 30 दिसंबर को हत्या की गई थी। करीब 16 दिन पुराना शव का पोस्टमार्टम करने में तत्परता नहीं दिखाई गई। सुबह से पोस्टमार्टम के इंतजार में दोनों ही परिवार के लोग बैठे थे। कई बार पूछने पर भी पोस्टमार्टम हाउस के कर्मचारियों व अधिकारियों ने स्पष्ट जानकारी नहीं दी। दिन भर गुमराह किया गया। शाम करीब 7रू30 बजे परिजनों को अगले दिन आने की बात कही गई। परिजनों का आरोप है कि पहले ही अगर उन्हें बता दिया गया होता तो उन्हें दिक्कत न होती सीएमओ की ओर से तीन डॉक्टरों का पैनल गठित किया गया था। तीनों चिकित्सकों को पोस्टमार्टम की जिम्मेदारी दी गई थी। हालांकि, पैनल ने दोनों ही प्रकरण गंभीर बताकर वरिष्ठ चिकित्सकों से पोस्टमार्टम कराने की बात कही। इसके बाद दोबारा परामर्श मांगा गया। काफी देर तक इस पर विचार विमर्श होता रहा। आखिरी में कहा गया कि गठित पैनल ही पोस्टमार्टम करेगा। यह सब होते–होते रात हो गई। दिन में शवों का पोस्टमार्टम कराने की बात कहकर परिजनों को लौटा दिया गया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव
मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002
RNI NO - UPHIN/2022/86937
Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।